ब्रिक्स समिट से पहले 02
दिल्ली में..

# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राशि खन्ना फिल्म 11
उद्योग में...

वर्ष - 02, अंक - 149 | गाजियाबाद / मंगलवार 01 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए


संक्षिप्त समाचार

## सुप्रीम कोर्ट का सीजेपी प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार

### एससी ने कहा-कोई अप्रिय घटना होगी ऐसी संभावना नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने 5 सितंबर को दिल्ली में होने वाले कॉकरोच जनता पार्टी के मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मार्च से कोई अप्रिय घटना होगी, ऐसा मानने की कोई ठोस वजह नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि प्रशासन से उम्मीद है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखेगा और सभी पक्षों को जिम्मेदारी से और कानून के मुताबिक काम करना सुनिश्चित करेगा। यह

याचिका रिटायर्ड दिल्ली पुलिस अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट को देखते हुए बड़े जुलूस और प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को सरकार पर मांगे पूरी न करने का आरोप लगाया। सीजेपी ने एक्स पर लिखा कि सरकार हर बार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती। सरकार के सामने रखी गईं चार में से तीन मांगें अब भी अधूरी हैं। पहली- छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। दूसरी- छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाए और कोई कार्रवाई न की जाए। तीसरी- दिल्ली पुलिस माफी मांगे।

## दिल्ली में 47 लाख नाम एसआईआर ड्राफ्ट रोल से बाहर

### महाराष्ट्र के 2 करोड़ 7 लाख नाम छूटे,30 सितंबर तक आपत्ति दर्ज कराने की तारीख

**नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र और दिल्ली में एसआईआर के तहत 31 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर रोल यानी प्रारूप मतदाता सूची जारी की गई। दिल्ली में कुल 1 करोड़ 45 लाख मतदाता हैं। इनमें से 47 लाख 56 हजार

722 मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर हैं। वहीं, महाराष्ट्र में करीब 2 करोड़ 7 लाख मतदाताओं के नाम फिलहाल ड्राफ्ट रोल में नहीं हैं। डिजिटाइजेशन के लिए फॉर्म जमा न होने और अन्य तकनीकी कारणों से कई मतदाताओं के नाम फिलहाल इस सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। इनमें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत,डुप्लिकेट, विदेशी और अन्य मामले शामिल हैं। जिन लोगों के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं, वे आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

# एमपी के मंत्री विजय शाह की बढ़ सकती हैं मुश्किलें !

### कर्नल सोफिया कुरैशी केस में सुप्रीम कोर्ट से आ गया बड़ा अपडेट

### विजय-शाह के 'आतंकवादियों की बहन' केस में एसआईटी जांच पूरी

**नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शाह ने कर्नल कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' कहा था। उनके खिलाफ द ज एफआईआर को चुनौती देते हुए शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश कर दी गई है। हालांकि, विजय शाह के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी अभी राज्यपाल के स्तर पर लंबित है।

### सुप्रीम कोर्ट को राज्यपाल के फैसले का है इंतजार

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के सामने सुनवाई हुई। एसआईटी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई सिफारिश पर राज्यपाल के स्तर पर फैसला होना बाकी है। इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि राज्यपाल को इस पर फैसला लेने दिया जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने भी कहा कि जांच रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी के सामने जानी है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल अभियोजन की मंजूरी के मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं किया। राज्यपाल के फैसले का इंतजार करने का रुख अपनाया।

● टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स ने अमेरिकी कंपनी से मिलाया हाथ

# अब भारत में बनेगा 'टैंकों का काल', हो गई डील

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने अमेरिका से जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए हाल में एक डील की थी। लेकिन अब इस मिसाइल को भारत में भी बनाया जाएगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने जैवलिन जॉइंट वेंचर के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसका मकसद भारत में जैवलिन ऑल अप राउंड मिसाइल के संयुक्त उत्पादन की संभावनाओं का पता लगाना है। जैवलिन जॉइंट वेंचर में रेथियॉन और लॉकहीड मार्टिन की पार्टनरशिप है। इस मिसाइल को टैंकों का काल कहा जाता है। जैवलिन मीडियम रेंज की गाइडेड मिसाइल है जिसे टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों को निशाना बनाने

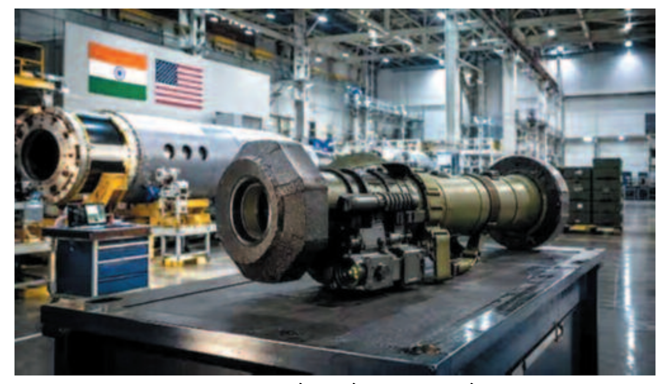

के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि दोनों कंपनियां भारत में एक समर्पित फाइनल असेंबली और इंटीग्रेशन फैसिलिटी बनाने के साथ-साथ कंपोनेंट बनाने की क्षमताओं पर भी विचार करने की योजना बना रही हैं। प्रस्तावित फैसिलिटी भविष्य की उत्पादन जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देगी। प्रस्तावित उत्पादन मॉडल अमेरिकी सप्लाई चेन को भारतीय असेंबली लाइनों से जोड़ेगा।

# नेपाल में भारतीय फोरेंसिक-टनल रेस्क्यू टीम तैनात

### शवों की पहचान के लिए डीएनए जांच में करेगी मदद

**काठमांडू (एजेंसी)।** नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए भारत ने भी अपनी फोरेंसिक और टनल रेस्क्यू टीमें तैनात कर दी हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत की 19 सदस्यीय फोरेंसिक टीम ने काठमांडू में काम शुरू कर दिया है। यह टीम बाढ़ पीड़ितों के शवों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल की जांच में मदद करेगी। वहीं, भारतीय टनल रेस्क्यू टीम ने चिलिमे और लांगटांग के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में नेपाल सेना के सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 902 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है।

### फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। त्रिशूली-3ए समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने पर जमा मलबा और कीचड़ हटाकर अंदर पहुंचने की कोशिश की जा रही है। रेस्क्यू टीमों में नेपाल के सुरक्षा बलों के साथ भारत और चीन के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। टीमें सुरंगों के अंदर मौजूद लोगों से संपर्क करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

### सद्गुरु का नेपाल के राहत कोष में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान

सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को काठमांडू में 'इन सॉलिडैरिटी विद नेपाल' कार्यक्रम में यह घोषणा की। सद्गुरु ने कहा कि इतनी बड़ी आपदा से निपटने की जिम्मेदारी अकेले नेपाल की नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हिमालयी क्षेत्र में आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों के लिए भारत, चीन, पाकिस्तान, नेपाल और भूटान का साझा हिमालयी बोर्ड बनाने का सुझाव भी दिया। बाढ़ ने नेपाल-चीन के अहम व्यापारिक रास्ते रासुवागढ़ी-केरुंग बॉर्डर को भारी नुकसान पहुंचाया है। बाढ़ में सीमा चौकी, नेपाल-चीन को जोड़ने वाला फ्रेंडशिप ब्रिज और तिमुरे का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया। यह रास्ता नेपाल के लिए इसलिए अहम है क्योंकि चीन से आने वाला बड़ी मात्रा में सामान इसी रूट से देश में पहुंचता है। रास्ता बंद होने से सामान की आवाजाही प्रभावित हुई है और कारोबारियों की मुश्किल बढ़ गई है।

## प्रयागराज एयरफोर्स स्टेशन के पास जबरदस्त विस्फोट

● पटाखा फैक्ट्री में हादसा, 11 लोगों की हुई मौत,15 झुलसे ● 7 से ज्यादा घर गिरे,लोग चारपाई पर घायलों को लेकर भागे

**प्रयागराज (एजेंसी)।** यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। इससे 2 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्ट्री जमींदोज हो गई। 100 मीटर के दायरे में बने आसपास के 8 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इनमें से 3 जमींदोज हो गए। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से मनौरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन दो किमी है। पुलिस, एयरफोर्स,एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के 200 जवान रेस्क्यू में जुटे हैं। 10 बुलडोजर से मलबा हटाया जा रहा है। पुलिस को शक है कि मलबे के नीचे कुछ लोग दबे हो सकते हैं। ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। हादसे के वक्त फैक्ट्री में 20 मजदूर काम कर रहे थे।

# मुश्किल वक्त में दूसरों की 'मदद' करना भारत की परंपरा

### कनाडा में भागवत बोले-विविधता ही हमारे देश की खूबसूरती

### कहा-'ये मेरा, वह तुम्हारा' की सोच से हमें ऊपर उठना होगा

**टोरंटो (एजेंसी)।** आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मांगे भी दूसरों की सहायता की है। भागवत ने कहा- भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग-अलग जाति, पंथ, भाषाएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि 'ये मेरा, वो तुम्हारा' जैसी

सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। अलग-अलग रूप और पहचान के बावजूद सभी में एक ही दिव्यता है। इसलिए दूसरों को अलग या पराया मानने के बजाय सभी के साथ भाईचारे और सेवा की भावना रखनी चाहिए।

### भारत ने मुस्लिम-ईसाई सभी को स्वीकार किया

भागवत ने कहा कि हिंदू सभी का सम्मान और स्वीकार करते हैं। दुनिया में कहीं किसी पर अत्याचार हुआ और उसने शरण मांगी, तो उसे भारत में जगह मिली। भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी, पारसी और दूसरे समुदाय रहते हैं। लोग सिर्फ शरण लेने ही नहीं, बल्कि ज्ञान हासिल करने के लिए भी भारत आए। उन्होंने कहा कि इंसान को फूल की तरह होना चाहिए। कली फूल बने और अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैलाए। इसी तरह व्यक्ति को विकसित होकर मानवता के लिए समर्पित होना चाहिए। एक हिंदू की सोच यह होनी चाहिए कि मुझे भी आगे बढ़ना है।

# खाड़ी में फिर शुरू हुए अमरीकी हमले, बढ़ा तनाव

### ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान से मिले पीएम मोदी

### अमरीकी हमले के बाद पहली बार हुई यह मुलाकात

**बिश्केक (एजेंसी)।** शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए किर्गिस्तान पहुंचे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के साथ मुलाकात की है। इस दौरान ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी मौजूद थे। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार पीएम मोदी और ईरानी राष्ट्रपति के बीच मुलाकात हुई है। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब ईरान और अमेरिका के बीच फिर से जंग शुरू हो गई है।

दोनों देशों ने एक-दूसरे पर जोरदार हमले किए हैं। माना जा रहा है कि इसमें होर्मुज नाकेबंदी, चाबहार पोर्ट और कार्गो जहाजों पर हो रहे हमले प्रमुखता से उठे हैं। इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति

और पीएम मोदी के बीच अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन में मुलाकात हुई थी। ईरान युद्ध होने के बाद पीएम मोदी और पेजेश्कियान के बीच अब तक कई बार बातचीत हो चुकी है। इस दौरान तनाव को घटाने, नागरिकों की रक्षा, होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर बातचीत हुई थी। पीएम मोदी और पेजेश्कियान के बीच बातचीत की अभी पूरी डिटेल सामने नहीं आई है।

### अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन पर ईरान का मिसाइल अटैक

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। आईआरजीसी ने दावा किया कि हमेशा सतर्क रहने वाले ईरान के आधुनिक एयर डिफेंस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज के हवाले से बताया कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के दावे के अनुसार, सोमवार तड़के आईआरजीसी आधुनिक एयर डिफेंस फोर्स ने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर अमेरिका के लंबी दूरी वाले एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। आईआरजीसी ने कहा कि ईरान के आधुनिक एयर डिफेंस के हमेशा सतर्क रहने वाले लड़ाकों ने सोमवार तड़के मिसाइल से अमेरिका के लंबी दूरी वाले ड्रोन को निशाना बनाया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर अमेरिका का एक एमक्यू-9 ड्रोन उड़ रहा था। तभी ईरानी वायु रक्षा मिसाइलों से त्वरित कार्रवाई की।

# मेघालय में बीजेपी का ऑपरेशन लोटस शुरू

### सहयोगी यूडीपी के 9 और टीएमसी के चार विधायकों पर नजर

### पार्टी में हो सकते हैं शामिल,राज्य में फुट प्रिंट्स बढ़ाने की तैयारी

**शिलांग (एजेंसी)।** राजनीतिक तौर से शांत माने जाने वाले मेघालय में बड़ी हलचल मची है। सूत्रों के मुताबिक, मेघालय में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी के 9 विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। इन विधायकों ने हाल में ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद यूडीपी नेताओं ने दावा किया था कि वे एफसीआरए कानून और और मेघालय से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर अमित शाह से मिले थे। मगर सूत्र बताते हैं कि यह मुलाकात पार्टी बदलने से जुड़ी थी।

### कॉनराड संगमा मंत्रिमंडल में ज्यादा सीट की डिमांड

अभी मेघालय विधानसभा में बीजेपी के अभी सिर्फ दो विधायक हैं। अगर राजनीतिक उठापटक हुई तो बीजेपी राज्य में दूसरी बड़ी पार्टी बन जाएगी। विधानसभा में बीजेपी के 11 विधायक हो जाएंगे। टीएमसी विधायकों के शामिल होने के बाद यह आंकड़ा 15 हो सकता है। इसके साथ ही सत्ताधारी गठबंधन के भीतर शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसके बाद बीजेपी संगमा सरकार में ज्यादा मंत्री पद पर दावा ठोंक सकती है। सूत्र बताते हैं कि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी विधायक पार्टी अध्यक्ष मेटबाह लिंगदोह से नाखुश हैं। हाल ही में हुई केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक में विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की थी। कई विधायकों ने तीखी बहस की थी।

# जयललिता की राह पर जोसेफ विजय? पीएम पद की चर्चा पर कांग्रेस-डीएमके की कड़ी प्रतिक्रिया

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
चेन्नई,(ईएमएस)। एक ताजा सर्वे में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए 9 प्रतिशत जनसमर्थन मिलने के बाद, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बहस शुरु हो गई है। इस सर्वे में विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद तीसरे स्थान कायम हुए है। इसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता की 2014 की रणनीति दोहराने पर विचार कर रही है, जब उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर 37 लोकसभा सीटें जीती थीं। टीवीके नेताओं के.ए. सेंगोट्टैयन और सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने विजय को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की संभावना से इंकार नहीं किया है। हालांकि, इस बात पर विपक्षी डीएमके और

विजय की सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार है। कांग्रेस ने यहां तक धमकी दी है कि यदि विजय की पार्टी 2029 में राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तब वे विजय की कैबिनेट से हट जाएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने सर्वे के आंकड़ों को खारिज कर कहा कि हर आंकड़ा सच नहीं बताता और हर सर्वे लोगों की आवाज नहीं होता।

क्षेत्रीय सहयोगी जैसे वाइको की एमडीएमके, थोल. थिरुमावलवन की वीसीके और आईयूएलएम शायद इस तरह के अभियान का विरोध न करें और टीवीके गठबंधन में बने रहें, लेकिन राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की इच्छुक कांग्रेस के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है। डीएमके नेता आरएस भारती ने टीवीके की बातों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है और वे विजय को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख भी बता सकते हैं। गौरतलब है कि टीवीके अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनी है, और लोकसभा चुनावों के लिए उसकी रणनीति का भी अभी तक पता नहीं चला है, जो इस पूरे विवाद को और गहराता है।

# पटना में जहरीली शराब का कहर: विपक्ष ने सम्राट सरकार को घेरा

पटना (एजेंसी)। पटना जिले के बाढ़ क्षेत्र में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई है। इस घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था और शराबबंदी पर फिर से सवाल खड़े किए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और ऐसी मौतें लगातार हो रही हैं। राजद नेता यादव ने प्रशासन की बड़े पैमाने पर लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं और उल्टे उन पर ही मामले दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने इन मौतों की गहन जांच की मांग की। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है और जांच के आदेश दे दिए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर चिंता जाहिर की गई। उन्होंने लोगों से शराब का सेवन छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि शराब किसी भी रूप में मौत की ओर ही ले जाती है। उन्होंने भी स्थानीय प्रशासन से मामले की जांच का आग्रह किया।

# बिहार के मंत्री ने तेज प्रताप को 50 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा

### -नोटिस में माफी मांगने और लगाए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का कानूनी मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में तेज प्रताप यादव की ओर से एक्स और फेसबुक पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा, निराधार, दुर्भावनापूर्ण और मंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। नोटिस में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए इन आरोपों से मंत्री की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानूनी नोटिस में तेज प्रताप यादव से 7 दिन के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और लगाए गए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई है। नोटिस में साफ कहा गया है कि अगर तय समय में ऐसा नहीं किया तो तेज प्रताप यादव के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मानहानि का सिविल और क्रिमिनल केस दर्ज कराया जाएगा। बता दें तेज प्रताप यादव ने एक्स पर एक पोस्ट कर मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप यादव ने पूरे मामले की सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग भी की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपए का लेन-देन किया गया। तेज प्रताप यादव की ओर से लगाए गए इन आरोपों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, मंत्री संजय कुमार सिंह की ओर से भेजे गए मानहानि नोटिस में इन आरोपों को झूठा और निराधार बताया गया है।

# भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिला तस्कर गिरफ्तार, 25 करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता (एजेंसी)। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। बीएसएफ अधिकारी तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहाँ से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था। बीएसएफ ने तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। जांचकर्ताओं का मानना है कि सोने की इतनी बड़ी बरामदगी से तस्करी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का पता चल सकता है, इसीलिए महिला से पूछताछ की जा रही है।

# चीनी मांझे ने ली पूर्व सैनिक की जान, ड्यूटी खत्म होने के बाद लौट रहे थे घर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में चीनी मांझे से गला कटने के कारण एक पूर्व सैनिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सेवानिवृत्त नायब सूबेदार लखविंदर सिंह रविवार देर रात दोपहिया वाहन से बिश्नाह इलाके से गुजर रहे थे, तभी वह इस जानलेवा मांझे की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लखविंदर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक लखविंदर सिंह बाड़ी ब्राह्मण स्थित एक औद्योगिक इकाई में निजी सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते थे और ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। प्रशासन ने चीनी पतंग की डोर या मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद प्रतिबंधित सामग्री की चोरी-छिपे बिक्री करने के आरोप में हाल के दिनों में जम्मू में कई दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। इस ताजा घटना के बाद प्रतिबंध को लागू करने को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों ने इसके इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास जारी हैं।

# केदारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब : बारिश भी नहीं रोक सकी लाखों भक्तों की भीड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में इन दिनों आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और बदलते मौसम के बावजूद, बाबा केदार के भक्तों का उत्साह कम नहीं हो रहा है। देश के हर कोने-कोने से श्रद्धालु तमाम चुनौतियों का सामना कर केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा निर्बाध रूप से जारी है।

# शुद्धिकरण मामला: वाल्मीकि समाज की शिकायत पर राहुल पर प्राथमिकी दर्ज

### -आरोप- राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुईं

**हल्द्वानी, एजेंसी।**
उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में 'शुद्धिकरण' के मामले को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि हल्द्वानी के वाल्मीकि समाज की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि शिकायत में राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने इस विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी में यज्ञ कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया और इससे जुड़े लोगों को 'छुआछूत मानने वाला' और 'दलित विरोधी' बताने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में अनुसूचित जाति सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए थे और इसका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं था।

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे पहले शिकायतकर्ता ने शिकायत के साथ पुलिस को संबंधित प्रेस वार्ता की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और आठ व 11 अगस्त के कार्यक्रमों के फोटो-वीडियो पर संज्ञान लेने तथा संबंधित लोगों के बयान दर्ज करने का अनुरोध किया था। शिकायत की प्रतियां नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी भेजी गई थी। बता दें हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की जनसभा के बाद 11 अगस्त को कुछ लोगों ने वहां 'शुद्धिकरण यज्ञ' किया था, जिसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया था। कांग्रेस जहां मामले को बीजेपी की दलित विरोधी सोच बता रही है, वहीं बीजेपी ने यह कहते हुए इसका बचाव किया कि खड़गे की जनसभा में गंदगी फैलाई और ऐसे नारे लगे जो धार्मिक स्थान पर नहीं लगने चाहिए थे।

# हाईकोर्ट के आदेश पर हरिद्वार में चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान, लापरवाही पर तय होगी जिम्मेदारी

**हरिद्वार (शिखर समाचार)।** माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में हरिद्वार को साफ, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित सफाई अभियान चलाने और उसकी लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार विश्व प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है, इसलिए नगर निगम, नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों, जिला पंचायत, ग्राम पंचायतों और खंड विकास अधिकारियों को स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा। जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक के

निर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का उपयोग करते पाए जाने वाले दुकानदारों, व्यापारियों, प्रतिष्ठानों अथवा अन्य लोगों के खिलाफ तत्काल चालानी कार्रवाई की जाए। साथ ही आमजन को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक कर कपड़े, जूट सहित पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, औद्योगिक इकाइयों, धार्मिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की स्वच्छता अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वच्छ हरिद्वार और प्लास्टिक मुक्त हरिद्वार अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को अपने कार्यालयों के शौचालयों की साफ-सफाई की नियमित निगरानी करने तथा उनका पूरा विवरण नोडल अधिकारी स्वच्छता को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. लालित नारायण मिश्र सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# मायावती का महिला मतदाताओं से रेवड़ी संस्कृति से सतर्क रहने का आह्वान

**लखनऊ (एजेंसी)।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला मतदाताओं से निजी लाभ वाले लुभावने वादों और मुफ्त सुविधाओं (रेवड़ियों) से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि ये चुनावों को अनुचित तरीके से प्रभावित करती हैं। उत्तरप्रदेश के सभी मंडल व जिला इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन की प्रगति की समीक्षा की। मायावती का बयान संभवतः सपा की हालिया घोषणा की ओर इशारा था, जिसमें हर गरीब महिला को प्रतिवर्ष 40,000 देने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और मुफ्त लैपटॉप, साइकिल व मोबाइल फोन वितरित करने की बात कही थी।

बसपा प्रमुख ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए मतदान से पहले इसतरह के निजी लाभ पहुंचाने वाली घोषणाओं से चुनाव गलत तरीके से प्रभावित होते हैं। उन्होंने यूपी की जनता को आगाह कर कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर देश के कई राज्यों में वादाखिलाफी आम बात है। इसलिए लोगों को विरोधी दलों के खुलेआम छलावे और विश्वासघात से बचकर स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वादाखिलाफी और जनहित के प्रति गैर-जिम्मेदारी के खिलाफ बसपा के संघर्ष के साथ, जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी के युवाओं को आवाज उठानी पड़ रही है, जिसके कारण उन्हें पुलिस मामलों और सरकारी दमन का सामना करना पड़ता है।

मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधकर कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से यूपी की जनता त्रस्त है। केंद्र सरकार की घोषणाएं ऊंट के मुंह में जीरा

साबित हो रही हैं और इनमें समस्या समाधान से अधिक चुनावी छलावा नजर आता है। उन्होंने जोर दिया कि जनहित और जनकल्याण का दायित्व निभाना सभी सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसे लगातार जारी रखना चाहिए। बसपा सरकारों ने बिना किसी चुनाव का इंतजार किए इस दायित्व को निभाया और सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। पूर्व मुख्यमंत्री ने नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम को पूरी निष्ठा से आयोजित करने का निर्देश दिया। यह कार्यक्रम इस वर्ष केवल लखनऊ में वीआईपी रोड पर स्थित मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल में होगा, जहां पूरे प्रदेश से लोग कांशीराम को श्रद्धांजलि देने एकत्र हो।

# लक्जरी और स्लीपर बसों पर परिवहन विभाग की कार्रवाई, 185 चालान, 16 वाहन सीज

**हरिद्वार (शिखर समाचार)।** यात्रियों की सुरक्षा और परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर सोमवार को जनपद में लक्जरी एवं स्लीपर बसों के खिलाफ विशेष संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन नेहा झा के नेतृत्व में चले अभियान के दौरान बसों की तकनीकी स्थिति, सुरक्षा मानकों, यात्री क्षमता और आवश्यक अभिलेखों की गहन जांच की गई। संभागीय निरीक्षक तकनीकी आनंद वर्धन तथा सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज विशाल कुमार की सहभागिता में विभिन्न स्थानों पर बसों की जांच की गई। जांच के दौरान कई वाहनों में अनधिकृत रूप से संरचना में परिवर्तन, निर्धारित बस बॉडी

मानकों का उल्लंघन, क्षमता से अधिक यात्रियों का परिवहन, चालक के लाइसेंस से संबंधित अनियमितता सहित परिवहन एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए। अभियान के दौरान कुल 185 वाहनों के चालान किए गए, जबकि गंभीर अनियमितताएं मिलने पर 16 वाहनों को सीज कर दिया गया। तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले तीन वाहनों की फिटनेस निलंबित करने की संस्तुति भी की गई। अभियान में परिवहन कर अधिकारी वरुणा सैनी, मुकेश भारती, भारत भूषण और हरीश सती ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बस संचालकों को निर्धारित यात्री क्षमता, स्वीकृत संरचना, बस बॉडी मानकों और सुरक्षा नियमों के अनुरूप ही वाहनों का संचालन करने की हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने और नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग ने यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही है।

# पटाखा फैक्टरी में भीषण आग, 11 की मौत, कई की हालत बेहद नाजुक

**कौशाम्बी, एजेंसी।**
यूपी के कौशाम्बी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। फिलहाल हादसे में 11 लोगों की मौत हो जाने की सूचना है। वहीं, दर्जनभर से अधिक लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मौके पर प्रयागराज के एडीजी, आईजी, डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त के अलावा कौशाम्बी के डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। झुलसे लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है। आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण अंदर जाना मुश्किल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान से अचानक धुआं उठने के बाद पटाखों में विस्फोट शुरू हुआ। मकान के ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे हैं। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों के गंभीर रूप से झुलसने की सूचना मिल रही है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ दो थानों की फोर्स राहत-बचाव में जुटी है। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

# ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में होगा मेगा ट्रेड फेयर, मोदी-पुतिन होंगे शामिल!

### -इस प्रदर्शनी से औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
18वें ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में 9 से 11 सितंबर के बीच पहला बड़ा भारत-रूस इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर आयोजित होने जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पहुंचने की उम्मीद है। इसकी जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस प्रदर्शनी से दोनों देशों के बीच सीधे व्यापारिक जुड़ाव, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और संयुक्त औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद है। इसी बीच रूसी राष्ट्रपति पुतिन 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत-रूस संबंधों के जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन का इस प्रदर्शनी का दौरा यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच औद्योगिक और आर्थिक सहयोग को कितना महत्व दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने बताया कि प्रदर्शनी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, रसायन, डिजिटल तकनीक, खनन एवं उत्खनन तकनीक, मानव-केंद्रित तकनीक और द्विपक्षीय व्यापार एवं औद्योगिक सहयोग जैसे क्षेत्रों पर फोकस रहेगा।

जानकारी के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। पुतिन का नई दिल्ली दौरा एक साल में दूसरी बार है। वहीं भारत ने इस साल 13 जनवरी 2026 को ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता संभाली थी। 14 जनवरी के आसपास भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस समिट से जुड़े आधिकारिक थीम, लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ किया था। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में दो दिवसीय दौरे पर भारत आए थे, जहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे।

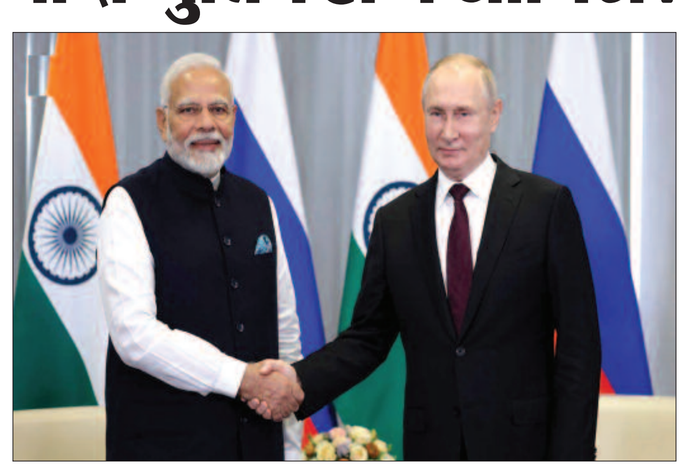

# पात्र को कब्जा दिलाना और हर पीड़ित को न्याय देना हमारी जिम्मेदारी : जिलाधिकारी

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांडड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में जनसुनवाई कर विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं। जनसुनवाई में भूमि पर कब्जा, राजस्व विवाद, अवैध अतिक्रमण, सार्वजनिक सुविधाओं, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति और अन्य समस्याओं से संबंधित शिकायतें सामने आईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान कराया जाए। उन्होंने निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से प्रतिक्रिया लेने के निर्देश भी दिए। खोड़ा निवासी सुमन ने बताया कि उन्होंने सजवान नगर में प्लाट खरीदा था, जिस पर दबंगों ने कब्जा कर लिया है। जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर को निर्देशित किया कि यदि किसी पात्र व्यक्ति की संपत्ति पर अवैध कब्जा किया गया है तो नियमानुसार कब्जा हटाकर

वास्तविक स्वामी को उसका अधिकार दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में किसी कमजोर, असहाय या गरीब व्यक्ति की संपत्ति पर कब्जा नहीं होना चाहिए और न ही उसका उत्पीड़न किया जाए। दिव्यांगजनों ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर उन्हें ट्राईसाइकिल, रोजगार, पेंशन, अंत्योदय और आयुष्मान कार्ड की सुविधा मिल चुकी है, अब आवास की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने जल्द किसी योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मोदीनगर निवासी सन्नो ने पति और नंदग्राम निवासी संदीप श्रीवास्तव ने पुत्री के कैंसर से पीड़ित होने की जानकारी देकर सहायता मांगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता के लिए आवेदन कराने और आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में एडीएम प्रशासन ज्योति मौर्या, एडीएम भूमि एवं अध्याप्ति अवनीश सिंह और नगर मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र त्रिपाठी सहित अधिकारी मौजूद रहे।

## साधु के वेश में ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, सोने के जेवर बरामद

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** नजीबाबाद थाना पुलिस ने हाईवे पर मौत का भय दिखाकर और भस्म करने की धमकी देकर ठगी व लूट करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन, अंगूठी, मंगलसूत्र और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 29 अगस्त को हरिद्वार-नजीबाबाद हाईवे पर कार सवार दंपती को साधु के वेश में आए दो लोगों ने रोक लिया था। आरोपियों ने दंपती को मौत का डर दिखाते हुए भस्म करने की धमकी दी और उनके सोने के आभूषण लूट लिए। पीड़ित दंपती केशव भट्ट और उनकी पत्नी उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित उमरपुर गांव के निवासी हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस ने हरिद्वार के पथरी क्षेत्र स्थित घोसीपुरा सपेरा बस्ती निवासी जहांगीर पुत्र बाबू नाथ और गुरविंदर पुत्र देवी चंद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने इस गिरोह से जुड़े होने तथा फरवरी में देहरादून, गुरुग्राम समेत अन्य जिलों और राज्यों में इसी तरह की वारदातें करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ गिरोहबंद अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

## बिजनौर में पालिका का अतिक्रमण हटाओ अभियान, सड़कें कराईं कब्जामुक्त

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** नगर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और शहरवासियों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद ने सोमवार को व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान नगर पालिका चौराहे से बुल्ला के चौराहे तक सड़क के दोनों ओर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा रहा। अभियान का नेतृत्व अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह यादव ने किया। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। पालिका की टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से सड़क किनारे लगाए गए अवैध होर्डिंग, टीनशेड और ठेलों को हटवाया। अभियान के दौरान कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह, अवर अभियंता जलकल गौरव शर्मा, अवर अभियंता सिविल यशवंत कुमार, कर निरीक्षक सुंदरलाल और हिमांशु मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अवनीत कुमार तथा यातायात निरीक्षक रवि नैन पुलिस बल के साथ मौके पर मुस्तैद रहे। अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह यादव ने बताया कि नवागंतुक पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका चौराहा, बुल्ला का चौराहा, जजी का चौराहा और झालू तिराहे से अवैध अतिक्रमण हटाने की अपेक्षा की थी। उन्होंने बताया कि अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। दोबारा सड़क अथवा सार्वजनिक स्थान पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ जुमार्ना भी वसूला जाएगा।

## अंकित बालियान के परिजनों से मिले चौधरी जयंत सिंह, न्याय के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा

### शोकाकुल परिवार को बंधाया ढांढस, कहा दु:ख की घड़ी में खुद को अकेला न समझें, पार्टी और समाज साथ खड़ा है

**शामली (शिखर समाचार)।** राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह ने सोमवार को हरियाणवी कलाकार अंकित बालियान के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवार को ढाढस बंधाते हुए कहा कि इस कठिन समय में परिजन स्वयं को अकेला न समझें। उन्होंने अंकित बालियान हत्याकांड में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का भरोसा भी दिलाया। चौधरी जयंत सिंह ने कहा कि अंकित बालियान के परिवार के साथ हुई दुखद घटना से सभी लोग बेहद व्यथित हैं। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा समाज और राष्ट्रीय लोक दल परिवार के साथ खड़ा है। दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो और पीड़ित परिवार को न्याय मिले, इसके लिए आवश्यक स्तर पर हरसंभव प्रयास किए

जाएंगे। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि न्याय की लड़ाई में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। मुलाकात के दौरान शोकाकुल परिजनों की नम आंखों ने माहौल को भावुक कर दिया। परिजनों ने चौधरी जयंत सिंह के समक्ष घटना से जुड़ा अपना दर्द साझा किया। उन्होंने परिवार को सांत्वना देते हुए दिवंगत अंकित बालियान की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, तरसपाल मलिक, वाजिद अली शाहिद समेत राष्ट्रीय लोक दल के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, दहेज हत्या का आरोप, मौत से पहले बनाया वीडियो वायरल

**नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)।** थाना क्षेत्र के मोहल्ला नूरसराय में 25 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। विवाहिता का शव उसके ससुराल स्थित दो मंजिला मकान के एक कमरे में बेड पर पड़ा मिला। विवाहिता की मां शनिवार को ही उसे ससुराल छोड़कर गई थीं और अगले दिन उसकी मौत की सूचना मिलने पर मायके पक्ष में कोहराम मच गया। परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए दहेज में कार की मांग को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

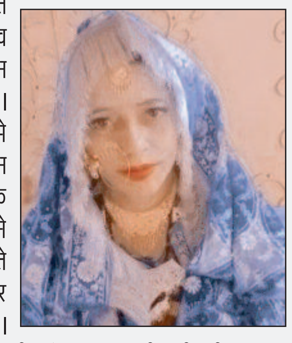

मंडावर के मोहल्ला छतरी वाला निवासी स्वर्गीय शेख अब्दुल वहीद की पुत्री खुशनुमा का निकाह करीब चार वर्ष पूर्व नूरसराय निवासी मोहम्मद जाकिर मुल्तानी पुत्र सलाउद्दीन के साथ हुआ था। परिजनों के अनुसार, निकाह के बाद से ही दहेज में कार की मांग को लेकर पति उसके साथ मारपीट करता था। इसी कारण खुशनुमा अधिकांश समय मायके में रहती थी और पिछले चार महीने से भी मायके में रह रही थी। शनिवार को उसकी मां खुशीर्दा उसे ससुराल छोड़कर गई थीं। रविवार शाम करीब सात बजे पड़ोसियों और रिश्तेदारों से खुशनुमा की मौत की सूचना मिली। इस बीच उसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और अपनी हत्या की आशंका जताती नजर आ रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि मायके पक्ष से अभी लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें अधिकारी, जनप्रतिनिधियों को दें हर कार्य की जानकारी

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जनपद के प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करते हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में संचालित अथवा प्रस्तावित प्रत्येक विकास कार्य की जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधियों को समय से उपलब्ध कराई जाए तथा उनके साथ समन्वय बनाकर कार्यों का निरीक्षण भी कराया जाए। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों पर हुई कार्रवाई की भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को सभी गोशालाओं में वर्षा से बचाव के पर्याप्त संसाधन, हरा चारा, भूसा और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गोवंश का नियमित टीकाकरण कराने और बीमारी के लक्षण मिलने पर तत्काल उपचार कराने को कहा। निमार्णाधीन नई गोशालाओं की जानकारी भी जनप्रतिनिधियों को देने के निर्देश दिए गए। वृद्धावस्था पेंशन के संबंध में बताया गया कि लाभार्थियों की केवाईसी और अन्य विवरण अद्यतन होने के कारण कुछ पेंशन रुकी थी। प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की भी जानकारी ली। उन्होंने सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई तथा पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चिकित्सकों की कमी वाले केंद्रों पर संविदा चिकित्सकों की तैनाती के लिए पत्राचार करने को कहा। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और सरकारी सुविधाओं का लाभ बच्चों तक समय से पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही निमार्णाधीन और पूर्ण हो चुके कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास की सूचना जनप्रतिनिधियों को पहले से देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जाए।

## अधिवर्षता आयु पूरी होने पर छह पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त, पुलिस अधीक्षक ने दी भावभीनी विदाई

**शामली (शिखर समाचार)।** अधिवर्षता आयु पूरी करने पर सोमवार को जनपद शामली पुलिस के छह अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर पुलिस विभाग की ओर से विदाई समारोह आयोजित कर सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने सभी को भावभीनी विदाई देते हुए उनके लंबे, निष्ठापूर्ण एवं समर्पित सेवाकाल के लिए आभार व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल, स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय आगामी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त होने वालों में तीन उपनिरीक्षक, दो मुख्य आरक्षी और एक अग्रणी अग्निशमन कर्मी शामिल हैं। इनमें उपनिरीक्षक राकेश सिंह, उपनिरीक्षक भगवती प्रसाद उनियाल, उपनिरीक्षक मौ. युसुफ, मुख्य आरक्षी सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी मूसा मौहम्मद तथा अग्रणी अग्निशमन कर्मी अनिल कुमार शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने कहा कि सभी सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपने सेवाकाल में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। विभाग के प्रति उनका समर्पण और उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए पड़ाव की शुरूआत है। इसके बाद परिवार के साथ समय बिताने और नए अनुभव प्राप्त करने के अवसर मिलते हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के अनुभवों को विभाग की महत्वपूर्ण पूंजी बताते हुए स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की कामना की। समारोह में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सेवानिवृत्त साथियों को शुभकामनाएं दीं।

## आर्य समाज ने यज्ञ और वेदोपदेश को जन-जन तक पहुंचाया : प्रवीण राणा

**बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** आर्य समाज की ओर से मनाए जाने वाले श्रावणी पर्व के अवसर पर कस्बे के बड़ौत रोड स्थित शिव होंडा प्रतिष्ठान पर यज्ञ-हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आर्यजनों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर वेदों की महिमा का गुणगान किया। यज्ञ के यजमान तेजस्वी राणा रहे। इस अवसर पर जाट सभा के महामंत्री प्रवीण राणा ने कहा कि वैदिक काल में ऋषि-मुनियों ने वषार्काल को वेदों के स्वाध्याय और चिंतन के लिए उपयुक्त माना था। भारतीय संस्कृति में यज्ञ और हवन को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने, वातावरण की शुद्धता तथा सकारात्मक ऊर्जा के संचार का प्रभावी माध्यम माना गया है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित आर्य समाज ने वेदों की मूल एवं वैज्ञानिक चेतना को पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। आर्य समाज ने रूढ़ियों, अंधविश्वासों और जातिगत भेदभाव का विरोध करते हुए यज्ञ तथा वेदोपदेश की परंपरा को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि ऐसी जीवन-पद्धति है जो मनुष्य को परोपकार, त्याग, अनुशासन और नैतिक श्रेष्ठता का मार्ग दिखाती है। कार्यक्रम का संचालन संजीव आर्य ने किया। इस दौरान पूर्व निरीक्षक ब्रजपाल सहरावत, सर्वखाप मंत्री सुभाष बालियान, ब्रजपाल राठी, तेजपाल सहरावत, देव शर्मा, ओमपाल मलिक, भूपति आर्य, नितिन चौधरी सहित अन्य आर्यजन मौजूद रहे।

## लायंस क्राउन के 25वें अधिष्ठापन समारोह में सेवा का संकल्प, अंकुर गोयल बने अध्यक्ष

**शामली (शिखर समाचार)।** लायंस क्लब शामली क्राउन के 25वें अधिष्ठापन समारोह का आयोजन सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ किया गया। क्लब के रजत जयंती वर्ष में आयोजित समारोह में लायन अंकुर गोयल ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी ने समाजसेवा के कार्यों को और व्यापक स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अधिष्ठापन अधिकारी लायन अरविंद संगल ने कहा कि किसी संस्था की पहचान उसके पदों से नहीं, बल्कि समाज के लिए किए जाने वाले सेवा कार्यों से होती है। लायंस क्लब शामली क्राउन ने 25 वर्षों में सेवा की मजबूत नींव तैयार की है और रजत जयंती वर्ष इस सेवा यात्रा को और विस्तार देने का अवसर है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अंकुर गोयल ने घोषणा की कि क्लब

की ओर से दो स्थानों पर शीतल प्याऊ स्थापित की जाएंगी। समारोह में अतिथियों ने प्याऊ की मशीन का उद्घाटन भी किया। इस दौरान जरूरतमंद महिलाओं को दो सिलाई मशीनें, एक दिव्यांग महिला को ट्राईसाइकिल तथा श्रवण बाधित जरूरतमंदों को श्रवण यंत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि लायन विनय गर्ग रहे, जबकि कार्यक्रम का उद्घाटन लायन कुंज बिहारी अग्रवाल ने किया। मुख्य वक्ता लायन विनय सिसोदिया रहे। लायन ए.के. मित्तल और लायन वैभव प्रकाश गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। लायन विजय संगल ने सचिव और लायन रूपेश गर्ग ने कोषाध्यक्ष का कार्यभार संभाला। कार्यक्रम अध्यक्ष लायन संदीप जिंदल रहे और संचालन लायन संजय संगल ने किया। वक्ताओं ने क्लब की 25 वर्षों की सेवा यात्रा की सराहना करते हुए रजत जयंती वर्ष में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और जनकल्याण के कार्यों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

## अंकित बालियान हत्याकांड : पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपियों की मौत का मामला मानवाधिकार आयोग पहुंचा

**शामली (शिखर समाचार)।** हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड से जुड़े कथित आरोपियों मोहित और सुमित की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत का मामला अब उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग तक पहुंच गया है। पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर की शिकायत पर आयोग ने मामले को औपचारिक रूप से दर्ज करते हुए केस संख्या 19186/24/76/2026-एएफई आवंटित की है। शिकायत में अंकित बालियान की हत्या को गंभीर अपराध बताते हुए दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। साथ ही पुलिस मुठभेड़ में दोनों कथित आरोपियों की मौत की परिस्थितियों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। अमिताभ ठाकुर ने अपनी

शिकायत में 30 अगस्त की रात 8:19 बजे पत्रकार अरुण चहल के एक्स खाते से की गई एक पोस्ट का भी उल्लेख किया है। शिकायत के अनुसार, उक्त पोस्ट में दो आरोपियों के पुलिस के हाथ लगने, दो अन्य आरोपियों के भारत से बाहर चले जाने तथा उसी रात पुलिस मुठभेड़ होने की बात कही गई थी। शिकायत में दावा किया गया है कि इसके करीब आठ घंटे बाद दो कथित शूटर पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। इस घटनाक्रम के समय और परिस्थितियों को लेकर सवाल उठाते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। मानवाधिकार आयोग द्वारा केस दर्ज किए जाने के बाद अब मुठभेड़ से जुड़े घटनाक्रम, पुलिस कार्रवाई और शिकायत में उठाए गए सवालों की जांच की प्रक्रिया पर नजर बनी हुई है।

## पेटीएम और नकद से वसूली के बाद भी मांगी ढाई लाख की रंगदारी, हाथ पैर तोड़कर भीख मंगवाने की धमकी

**खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** पुलिस के धरपकड़ अभियान के तहत खतौली थाना पुलिस ने रंगदारी मांगने और धमकी देने के मामले में नामजद आरोपी विनय जैन उर्फ किक्की पुत्र विनोद जैन निवासी मोहल्ला मिट्ठूलाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अशोका मार्केट दुगार्पुरी खतौली निवासी रवि ग्रोवर पुत्र प्रेम नाथ ग्रोवर की तहरीर के आधार पर की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विनय जैन उर्फ किक्की जैन और उसके पुत्र अद्भुत जैन ने वादी को जान से मारने तथा हाथ-पैर तोड़कर भीख मंगवाने की धमकी देते हुए रंगदारी की मांग की। तहरीर के

मुताबिक आरोपियों ने अलग-अलग तारीखों में डराने-धमकाने के बाद पेटीएम के माध्यम से तथा नकद कुल दो लाख 25 हजार 100 रुपये वसूल लिए। इसके बावजूद आरोपियों ने दोबारा ढाई लाख रुपये की रंगदारी मांगी और रकम नहीं देने पर हाथ-पैर तोड़कर भीख मंगवाने की धमकी दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और नामजद आरोपी विनय जैन को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी दिनेश बघेल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी सात मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है तथा अन्य आरोपी की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

# अंकित बालियान हत्याकांड में दो शूटर मुठभेड़ में ढेर, दो पुलिसकर्मी घायल

## गोगी गिरोह से जुड़े पहलुओं समेत हत्या की साजिश की जांच तेज, हथियार और बाइक बरामद

**शामली (शिखर समाचार)।** हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित रूप से वारदात में शामिल दो शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के अनुसार मृत आरोपियों की पहचान मोहित पुत्र स्व. महेश निवासी बड़वास खुर्द, सोनीपत और सुमित पुत्र धर्मपाल निवासी कंड़ौली, सोनीपत, हरियाणा के रूप में हुई है। दोनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक 26 अगस्त को शामली कोतवाली क्षेत्र के नाला पटरी स्थित जिम के बाहर बनती खेड़ा निवासी हरियाणवी गायक अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पुलिस ने कई टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। पुलिस के अनुसार मानव सूचना तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सीसीटीवी फुटेज, संदिग्धों की गतिविधियों, आवागमन, ठहरने के स्थान, भुगतान तथा आपसी संपर्कों की जांच की गई। जांच के दौरान मोहित और सुमित की पहचान कथित शूटरों के रूप में हुई। 31 अगस्त को चेकिंग के दौरान संदिग्धों की मौजूदगी की सूचना पर पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें संयुक्त चिकित्सालय शामली ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में स्वाट टीम के मुख्य आरक्षी हरविंदर और मुख्य आरक्षी प्रदीप भी घायल हुए हैं।

पुलिस ने मौके से दो पिस्तौल, कारतूस, मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और पांच हजार रुपये नकद बरामद करने का दावा किया है। पुलिस अब हत्याकांड में शामिल अन्य शूटरों, साजिशकताओं और मददगारों की तलाश में दबिश दे रही है। जांच में गोगी गिरोह से जुड़े पहलुओं तथा अंकित बालियान द्वारा पूर्व में गाए गए एक गीत को लेकर कथित धमकी की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने कहा कि प्रदेश की सीमा से बाहर, जेलों अथवा विदेश से साजिश रचने वाले अपराधियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## संक्षिप्त समाचार

### जाम में फंसीं कई एंबुलेंस, मरीज-तीमारदारों की अटकीं सांसें

**अलीगढ़ , एजेंसी।** रामघाट रोड पर पीएसी के पास रविवार शाम करीब चार बजे कांच के माल से लदा एक ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में बुरी तरह फंस गया। ट्रक के फंसते ही सड़क पर वाहनों की रफ्तार थम गई और देखते ही देखते लंबा जाम लग गया। जाम में कई एंबुलेंस भी फंस गईं। इनमें सवार मरीजों की जान मुश्किल में फंस गई और तीमारदारों की चिंता बढ़ गई। जाम से बचने के लिए जब विपरीत दिशा में सड़क की दूसरी ओर से वाहनों की आवाजाही शुरू हुई तो वहां भी जाम के हालात बन गए। कुछ ही देर में सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। जाम में फंसे वाहन चालकों और राहगीरों को निकलने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। वाहनों का दबाव बढ़ने से रामघाट रोड पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। जाम में फंसे लोग काफी देर तक रास्ता खुलने का इंतजार करते रहे। कई लोगों को टेंपो से उतरकर पैदल ही लंबा रास्ता तय करना पड़ा। पुलिस के पहुंचने पर करीब तीन घंटे बाद ट्रक को क्रेन की मदद से हटवाया गया, जिसके बाद आवागमन सुचारू हो सका। सीओ सिविल लाइंस सर्वम सिंह ने बताया कि ट्रक खराब हो जाने से सड़क पर जाम लग गया था। इसे क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया।

### सीएचसी के गेट पर लटका मिला ताला, हाथरस सांसद ने सुनीं जनसमस्याएं

**अलीगढ़ , एजेंसी।** हाथरस सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि ने गांव हिदरामई में महावीर सिंह की मां और भोगीपुर में भाजपा मंडल अध्यक्ष तिलक सिंह राजपूत के चचेरे भाई के निधन पर परिजनों को सांत्वना दी। इसके बाद सीएचसी रतरोई पहुंचे, जहां गेट पर ताला लटका मिला। थाना गंगीरी में जनसमस्याएं सुनते हुए उन्होंने नगला दोहरा निवासी ज्ञान सिंह के घर हुई चोरी का जल्द खुलासा करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। हिदरामई में बाबू सिंह ने नलकूप के कमरे का ताला तोड़ने की शिकायत सांसद से की। इस मौके पर पुष्पांजली राजपूत, प्रधान संगठन के अध्यक्ष सुनील कुमार आर्य, पूर्व प्रधान श्रीकृष्ण, साहब सिंह, पंकज यादव, ज्ञान सिंह राजपूत, डॉ. ओमप्रकाश, मोनू कुशवाहा, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

### आदर्श बनाने का सपना अधूरा, टूटी सड़कें और जलभराव; मोतीगंज के व्यापारियां का ये है दर्द

**आगरा, एजेंसी।** आगरा के मोतीगंज को आदर्श मंडी बनाने की घोषणा अब तक धरातल पर नहीं उतरी है। व्यापारी आज भी टूटी सड़कें, गंदगी और जलभराव जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। रविवार को श्री मोतीगंज खाद्य व्यापार समिति ने जनप्रतिनिधियों के समक्ष इन समस्याओं को उठाते हुए स्थायी समाधान की मांग की। लोहामंडी स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में समिति की व्यापारिक गोष्ठी व पारिवारिक स्नेह मिलन समारोह हुआ। अध्यक्ष महावीर प्रसाद मंगल और महामंत्री शैलेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने कहा कि खराब रास्तों और जाम के कारण भारी माल ढुलाई में काफी परेशानी होती है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सीधा असर व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। उन्होंने सड़क निर्माण, जलभराव से मुक्ति और नियमित सफाई के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि मेयर हेमलता दिवाकर और विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने व्यापारियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने कहा कि व्यापारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी सुविधाओं में सुधार करना प्राथमिकता है। दोनों जनप्रतिनिधियों ने जल्द ही आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। गोष्ठी के बाद वृंदावन से आए कलाकारों ने मयूर नृत्य और फूलों की होली की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया।

### क्षत्रिय महासभा का प्रदर्शन, फतेहाबाद रोड पर लगा जाम; आंवलखेड़ा में पैदल मार्च

**आगरा, एजेंसी।** यूजीसी के प्रस्तावित नियमों के विरोध में रविवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कार्यकर्ताओं ने फतेहाबाद रोड स्थित रमाडा के सामने प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष हरीशंकर जसावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा मौके पर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। प्रदर्शन के कारण फतेहाबाद रोड पर जाम भी लग गया था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर यातायात सुचारू कराया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यूजीसी के विवादित नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम पत्र भेजा जाएगा। उन्होंने उच्च शिक्षा में आरक्षण समाप्त करने, आरक्षण का आधार जातिगत न होकर आर्थिक स्थिति के आधार पर करने और सरकारी नौकरी वाले परिवारों को आरक्षण का लाभ नहीं दिए जाने की मांग उठाई। इस दौरान लाल सिंह तोमर, अमन चौहान, राहुल दीक्षित, सचिन परमार, अजय धाकरे, अमित जसावत, मोहित चौहान और तारन सिंह जसावत आदि मौजूद रहे। यूजीसी के प्रस्तावित नियमों के विरोध में रविवार को आंवलखेड़ा में क्षत्रिय समाज की बैठक हुई। अध्यक्षता नरेंद्र विक्रम सिंह परमार ने की। वक्ताओं ने प्रस्तावित नियमों को वापस लेने की मांग करते हुए आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। बैठक के बाद मांगों के समर्थन में पैदल मार्च भी निकाला गया।

## स्वाइन फ्लू: बीएचयू अस्पताल में 10 मरीज भर्ती, तीन पीड़ित आजमगढ़ के; डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

**वाराणसी, एजेंसी।** बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल में स्वाइन फ्लू के 10 मरीज भर्ती हैं। आरटीपीसीआर जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। एच1एन1 की पुष्टि हुई है। ज्यादातर पीड़ित आसपास के जिलों के हैं। आजमगढ़ के तीन मरीज बताए जा रहे हैं।तेज बुखार, सिर और बदन दर्द स्वाइन फ्लू के मुख्य लक्षण हैं।

लक्षण वाले पीड़ितों ने बीएचयू में जांच कराई थी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद मरीजों को भर्ती किया गया। अब सगे-संबंधियों के सैंपल की जांच की जा रही है। देखा जा रहा है कि संक्रमण दूसरे व्यक्ति तक तो नहीं पहुंच गया। कुछ लोगों को शुरूआत में तीन दिन से ज्यादा तेज बुखार था। शरीर में दर्द की समस्या कम नहीं हो रही थी।

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक की अगुवाई में मेडिसिन विभाग, चेस्ट विभाग, कार्डियोलॉजी के डॉक्टरों की संयुक्त टीम स्वाइन फ्लू पीड़ितों की विशेष निगरानी कर रही है। मरीजों के परिजनों को स्वाइन फ्लू से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

### क्या बोले अधिकारी

बीएचयू अस्पताल में पूर्वांचल के साथ ही बिहार से मरीज आते हैं। स्वाइन फ्लू के 10 पीड़ितों का इलाज किया जा रहा है। सभी की हालत ठीक है। मरीजों की सेहत की निगरानी डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ की टीम कर रही है। लक्षण वाले मरीजों की तत्काल जांच की जाएगी। अस्पताल में जांच, इलाज की पूरी व्यवस्था है।

**-प्रो.पुनीत कुमार,**
एमएस बीएचयू अस्पताल

## दंगा-कर्फ्यू सपा की पहचान : योगी

**लखनऊ, एजेंसी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि दंगा और कर्फ्यू सपा की पहचान रहे हैं। सरकारी खजाने में लूट-खसोट उसकी आदत रही है। पीडीए के नाम पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सपा के लोगों ने कभी महापुरुषों का सम्मान तक नहीं किया। उन्होंने कहा कि खाली जमीनों पर सपाई गुंडों का कब्जा और महिलाओं-बेटियों में भय का माहौल पिछली सरकार की सबसे बड़ी पहचान रहा है।

मुख्यमंत्री वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य प्रतिमा के लोकार्पण के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री धर्मपाल सिंह, संदीप सिंह और महापौर सुषमा खर्कवाल प्रमुख रूप से मौजूद रहीं। सीएम योगी ने जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) को सपा के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक बताया। सपा शासनकाल में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट की लागत 200 करोड़ रुपये थी, लेकिन 864 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद यह अधूरा रहा। जिस काम को 18 महीने में पूरा होना था, वह दो साल बाद भी पूरा नहीं हो सका। 864 करोड़ रुपये सैफई सिंडिकेट के नहीं, बल्कि जनता के हैं। सरकार ने सेंटर के लिए गठित कमेटी को भंग कर इसे वापस लिया है। अब लखनऊ विकास प्राधिकरण के मार्गदर्शन में इसका संचालन किया जाएगा और खर्च हुई राशि की वसूली का प्रयास होगा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर सपा नेताओं की ओर से श्रद्धांजलि का एक शब्द तक नहीं निकला और एक ट्वीट तक नहीं किया गया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य अश्वारोही प्रतिमा भारतीय नारी की गरिमा, शौर्य और तेजस्विता का प्रतीक बनेगी। अवंतीबाई लोधी ने मात्र 26 वर्ष की उम्र में प्रथम स्वतंत्रता समर में नेतृत्व किया। मंगल पांडे, रानी लक्ष्मीबाई, धनसिंह गुर्जर कोतवाल और अवंतीबाई लोधी के संघर्ष का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनका जीवन एकजुट रहने की प्रेरणा देता है।

**पीएसी में तीन महिला बटालियन :** सीएम ने कहा कि सपा सरकार के समय दंगाइयों की काल बनी पीएसी को समाप्त करने की चेष्टा की गई। भाजपा सरकार ने पीएसी की सभी 54 कंपनियों को पुनर्गठित किया और बेटियों को नेतृत्व की भूमिका देने का निर्णय लिया। इसी क्रम में ऊदा देवी, झलकारी बाई और अवंतीबाई लोधी के नाम पर तीन महिला बटालियन गठित की गई हैं। इनमें एक लखनऊ, दूसरी गोरखपुर और तीसरी बदायूं में निर्माण के अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्नातक अंतिम वर्ष की 50 हजार बेटियों को रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर स्कूटी प्रदान की जाएंगी। 60 वर्ष से अधिक उम्र की प्रत्येक महिला के लिए निगम की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा शुरू की गई है।

## श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मेरठ परिक्षेत्र में 3500 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

**मेरठ (शिखर समाचार)।** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र के चार जनपदों में व्यापक पुलिस व्यवस्था की गई है। 4 सितंबर को मनाए जाने वाले पर्व को लेकर मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ में करीब 3500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए छह अपर पुलिस अधीक्षक, 25 क्षेत्राधिकारी, 86 निरीक्षक, 635 उपनिरीक्षक, 1022 मुख्य आरक्षी, 1270 आरक्षी, 440 होमगार्ड एवं प्रांतीय रक्षक दल के जवान तथा एक कंपनी प्रांतीय सशस्त्र बल तैनात रहेगी। परिक्षेत्र में 24 जोन, 81 सेक्टर और 60 त्वरित कार्रवाई दल बनाए गए हैं। चारों जनपदों में कुल 104 शोभायात्राएं प्रस्तावित हैं, जिनमें मेरठ में 14, बुलंदशहर में 36, बागपत में 28 और हापुड़ में 26 शोभायात्राएं शामिल हैं। शोभायात्रा मार्गों पर 39 संवेदनशील स्थान चिन्हित किए गए हैं। वहीं 303 मंदिरों में जन्माष्टमी कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। पुलिस ने 83 महिला सुरक्षा दल भी सक्रिय किए हैं। सुरक्षा तैयारियों के तहत पुलिस ने शांति समितियों, धर्मगुरुओं और संभ्रांत लोगों के साथ 118 बैठकें, अन्य विभागों के साथ 108 बैठकें तथा आयोजकों के साथ 106 बैठकें की हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने अधिकारियों को मंदिरों, मेलों, झांकियों और शोभायात्राओं में पर्याप्त पुलिस बल लगाने के निर्देश दिए हैं। मटकी फोड़ कार्यक्रमों में सुरक्षा जाल लगाने, शोभायात्रा मार्गों पर ढीले विद्युत तार ठीक कराने और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग करने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों पर भी तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

## सोशल मीडिया पर आत्महत्या की पोस्ट से मचा हड़कंप, पुलिस ने समय रहते युवक की बचाई जान

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में सोशल मीडिया पर एक युवक द्वारा आत्महत्या का संकेत देने वाली पोस्ट किए जाने के बाद पुलिस तत्काल हरकत में आ गई। पुलिस टीम ने बिना देर किए युवक के घर पहुंचकर उससे बातचीत की और उसे समझा-बुझाकर शांत कराया। समय रहते पुलिस के पहुंचने से युवक की जान बच गई। जानकारी के अनुसार ग्राम हरनाथपुर कोटा निवासी निखिल कुमार ने सोशल मीडिया पर आत्महत्या करने से संबंधित पोस्ट साझा की थी। पोस्ट की जानकारी पुलिस तक पहुंचते ही मुदाफरा चौकी प्रभारी रोहित कुमार पुलिस टीम के साथ तत्काल निखिल के घर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने युवक से बातचीत कर उसकी परेशानी जानने का प्रयास किया और उसे समझाते हुए भविष्य में इस तरह का कदम नहीं उठाने के लिए प्रेरित किया। पुलिस ने युवक को भरोसा दिलाया कि परेशानियों का समाधान बातचीत और मदद से किया जा सकता है। इसके साथ ही पुलिस ने परिजनों को भी युवक पर विशेष नजर रखने, उससे लगातार बातचीत करने तथा उसे भावनात्मक सहयोग देने की सलाह दी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने पुलिस टीम की सराहना की। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया पर यदि किसी व्यक्ति की ओर से आत्महत्या से संबंधित कोई पोस्ट दिखाई देती है तो उसे गंभीरता से लें और नजरअंदाज न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल पुलिस की आपात सेवा 112 अथवा नजदीकी थाने को सूचना दें, ताकि पुलिस समय रहते संबंधित व्यक्ति तक पहुंचकर आवश्यक सहायता उपलब्ध करा सके। उन्होंने कहा कि सतर्कता और समय पर दी गई सूचना किसी की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

## सरस्वती कॉलेज में राष्ट्रीय सम्मेलन, 300 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी में उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के प्रायोजन में माइक्रोबायोम आधारित चिकित्सीय उपचार : प्रिसीजन मेडिसिन के लिए उभरते अवसर विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से आए 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया की वित्त समिति के अध्यक्ष ने माइक्रोबायोम आधारित दवाओं की उपयोगिता और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। जामिया हमदर्द, दिल्ली के डॉ. जावेद अली ने माइक्रोबायोम और मानव स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर विस्तार से व्याख्यान दिया। दिल्ली के डॉ. राजीव टोंक, सुभारती विश्वविद्यालय के डॉ. शौकेंद्र कुमार और डॉ. गौरव कैथवास ने भी विषय से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने विचार रखे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नितिन कुमार ने सम्मेलन की अध्यक्षता की, जबकि आयोजन का संयोजन डॉ. निधि त्यागी ने किया। सम्मेलन के दौरान शोधार्थियों और प्रतिभागियों ने 20 से अधिक मौखिक तथा 60 से अधिक पोस्टर प्रस्तुतियां दीं। मौखिक प्रस्तुति प्रतियोगिता में जामिया हमदर्द के शोधार्थी अभिषेक त्यागी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सरस्वती कॉलेज के अफजल खान और शगुन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में विनीत चौधरी ने प्रथम स्थान हासिल किया। आरएसडी एकेडमी, मुरादाबाद के उमंग गौर और मानव मिश्रा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सम्मेलन में माइक्रोबायोम आधारित उपचार और व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप चिकित्सा की संभावनाओं पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

## 150 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में आएगा देवबंद, सुरक्षा और सफाई व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

**देवबंद/सहारनपुर (शिखर समाचार)।** नगर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका परिषद देवबंद ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। सोमवार को पालिका सभागार में चेयरमैन विपिन कुमार गर्ग की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में प्रमुख बाजारों, चौराहों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तथा नगर के प्रवेश और निकास मार्गों पर 150 सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। कैमरों के माध्यम से नगर में होने वाली गतिविधियों पर निगरानी रखने के साथ आपराधिक घटनाओं की रोकथाम में भी मदद मिलेगी। बैठक में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए व्यापक नसबंदी अभियान चलाने और उन्हें एंटी रेबीज टीके लगाने का निर्णय लिया गया। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के तहत कूड़ा प्रबंधन की प्रक्रिया की ऑनलाइन निगरानी और केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से उसकी निगरानी करने पर भी सहमति बनी। घर-घर कूड़ा संग्रहण और गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण को प्रभावी बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने तथा आवश्यक उपविधियां लागू करने का प्रस्ताव भी पारित हुआ। पालिका की आय बढ़ाने और उसे आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लाइसेंस शुल्क की दरों में वृद्धि तथा यूनीपोल और प्रचार-प्रसार से संबंधित नियमावली तैयार करने का निर्णय लिया गया। बैठक में फरवरी से जून तक के आय-व्यय का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान 27 सभासद सहित अधिशासी अधिकारी राजपति बेस, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक पोपिन कुमार और अवर अभियंता कामेंद्र सिंह मौजूद रहे। बैठक में नामित सभासद मंजू शर्मा के 17 अगस्त को हुए आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

# ग्रेटर नोएडा में खुलेगा वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का कैंपस, भारत-ऑस्ट्रेलिया शैक्षणिक साझेदारी को मिलेगा नया आयाम

## जल सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण, नवाचार और कौशल विकास पर रहेगा जोर, दिसंबर में शुरू होने की तैयारी

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिक्षा, शोध तथा संस्थागत सहयोग को नई दिशा देते हुए वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने ग्रेटर नोएडा में अपने प्रस्तावित कैंपस की स्थापना की औपचारिक घोषणा कर दी है। कैंपस को ह्यजलसेतुह्न नाम दिया गया है। इसके शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश में पहली बार किसी विदेशी विश्वविद्यालय को अपना कैंपस स्थापित करने का अवसर मिलेगा। सोमवार को दिल्ली स्थित नेशनल एग्रीकल्चर साइंस कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन्स ने उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की मौजूदगी में इसकी घोषणा की। प्रस्तावित कैंपस के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा और कौशल प्रदान करने के साथ रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा। विश्वविद्यालय महिला सशक्तीकरण, व्यवसाय, आंकड़ा विज्ञान, नवाचार और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम भी शुरू

करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति जॉर्ज विलियम्स ने कहा कि भारत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान के अवसर उपलब्ध कराना भी उद्देश्य है। प्रीमियर क्रिस मिन्स ने कहा कि ग्रेटर नोएडा कैंपस भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिक्षा का सेतु बनेगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार ने विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कैंपस प्राधिकरण कार्यालय परिसर के टावर-दो में स्थापित होगा और इसे दिसंबर में शुरू करने की तैयारी है। विश्वविद्यालय ने तीन मंजिलें ली हैं। यहां जल सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर शोध के लिए जलसेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी स्थापित किया जाएगा। केंद्र भूजल संरक्षण, नदियों के स्वास्थ्य, सतत सिंचाई और शहरी जल प्रबंधन जैसे विषयों पर शोध एवं व्यावहारिक समाधान विकसित करेगा। विश्वविद्यालय ने सतत जल प्रबंधन में परास्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने की भी घोषणा की है।

# मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**दादरी (शिखर समाचार)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से अभद्र टिप्पणी करने के मामले में दादरी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आलम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने एक सामाजिक माध्यम के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसका वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला सामने आया। रविवार को प्रसारित हुआ यह वीडियो दादरी के रेलवे रोड का बताया जा रहा है, जिसमें एक यूट्यूब चैनल संचालक आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लोगों से बातचीत करता दिखाई दे रहा है। इसी दौरान आलम ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र टिप्पणी करते हुए गंभीर एवं आपत्तिजनक आरोप लगाए। वीडियो के प्रसारित होने के बाद सामाजिक माध्यम पर लोगों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बताया गया कि वीडियो को बड़ी संख्या में लोग देख चुके हैं। मामले की जानकारी मिलने पर नगर के व्यापार मंडल ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी दादरी प्रशाली गंगवार ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आलम को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी दादरी में किराये के मकान में रहता है और खुद को मूल रूप से गोरखपुर का निवासी बता रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा प्रसारित वीडियो और आरोपी के बयानों के संबंध में भी तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

# यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, अधिवक्ता समेत चार की मौत

**जेवर (शिखर समाचार)।** यमुना एक्सप्रेसवे पर रविवार रात जेवर इंटरचेंज के पास तेज रफ्तार ट्राला अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए नोएडा की लेन में पहुंच गया और सामने से आ रही कार समेत तीन वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार उच्च न्यायालय के अधिवक्ता समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने ट्राला चालक को गिरफ्तार कर वाहन कब्जे में ले लिया है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय चालक नशे में था। दिल्ली के विजय पार्क, नजफगढ़ निवासी रितेश पाण्डेय (52) उच्च न्यायालय में अधिवक्ता थे और मूल रूप से महाराजगंज के रहने वाले थे। रविवार रात वह अपने पुत्र अभिसार (25), महाराजगंज निवासी विकास गुप्ता (40) और कार चालक विजय के साथ बलेनो कार से महाराजगंज से दिल्ली लौट रहे थे। रात करीब 10:30 बजे जेवर इंटरचेंज के पास आगरा की ओर जा रहा तेज रफ्तार ट्राला अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए नोएडा की लेन में पहुंच गया। ट्राले ने कार को जोरदार टक्कर मारकर कुछ दूरी तक घसीट दिया। इसके बाद वह नोएडा की ओर जा रही बाइक और

छोटे हाथी से भी टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखचे उड़ गए। सूचना पर पुलिस और एक्सप्रेसवे सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे तथा घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने रितेश पाण्डेय, अभिसार, विकास गुप्ता और चालक विजय को मृत घोषित कर दिया। बाइक सवार आगरा निवासी सुमित और सचिन तथा छोटे हाथी के चालक का उपचार जारी है। पुलिस ने ट्राला चालक दिनेश निवासी मथुरा को गिरफ्तार कर लिया। मृतकों के परिजन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# गौशालाओं में गोवंश के संरक्षण, पोषण और स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अस्थायी गौ आश्रय स्थलों की जनपद स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में आयोग के सदस्य दीपक गोयल भी मौजूद रहे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने जिले की गौशालाओं और अस्थायी गौ आश्रय स्थलों की वर्तमान स्थिति तथा प्रगति की जानकारी दी। समीक्षा के दौरान उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व में दिए गए निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गौशालाओं में गोवंश के संरक्षण, स्वच्छता, पोषण, स्वच्छ पेयजल और चारे की व्यवस्था मजबूत रखने पर विशेष जोर दिया। अस्थायी गौ आश्रय स्थल ततारपुर में स्वच्छ पेयजल, नियमित साफ-सफाई और आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश खंड विकास

अधिकारी को दिए गए। सभी गौशालाओं में नर और मादा गोवंश को अलग-अलग रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया। उन्होंने गोवंश के स्वास्थ्य की नियमित जांच, बीमार पशुओं के उपचार तथा पशुआहार की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। गौ आश्रय स्थलों के संचालन में आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने को कहा गया। मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी ने सभी निदेशों का निर्धारित समयसीमा में अनुपालन सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। बैठक में पुलिस, विकास, प्राधिकरण, नगर पालिका, नगर पंचायत और पशुपालन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक से पहले उपाध्यक्ष ने पत्रकार वार्ता में प्रदेश सरकार द्वारा गोवंश संरक्षण और संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गौ आश्रय स्थलों में चारा, पानी, चिकित्सा और सुरक्षा सुविधाओं को लगातार बेहतर बनाया जा रहा है।

# हिंडन विहार में कबाड़ के गोदाम में लगी आग, दमकल की चार गाड़ियों ने पाया काबू

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** हिंडन विहार स्थित विश्वकर्मा रोड पर जेएस स्क्रैप कंपनी के गोदाम में सोमवार दोपहर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कोतवाली अग्निशमन केंद्र से चार दमकल वाहनों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि दोपहर 2:01 बजे गोदाम में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके के लिए रवाना कर दी गईं। घटनास्थल कोतवाली अग्निशमन केंद्र से करीब तीन किलोमीटर दूर था। मौके पर पहुंचने पर अस्थायी टीन शेड से बने गोदाम में आग की तेज लपटें उठ रही थीं और काले धुएं का घना गुबार दिखाई दे रहा था। राहुल पाल के निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में दमकल कर्मियों ने दो पानी की धारों से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों ने कड़ी मेहनत करते हुए आग को पूरी तरह बुझाकर शांत कर दिया। गोदाम के आसपास रिहायशी क्षेत्र होने के कारण आग के फैलने का खतरा बना हुआ था, लेकिन दमकल टीम की तत्परता से आग को आसपास के मकानों तक पहुंचने से रोक लिया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आसपास के रिहायशी क्षेत्र को भी सुरक्षित बचा लिया गया। आग लगने के कारणों और इससे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

# ट्रॉनिका सिटी की फैक्ट्री में भीषण आग, दमकल की सात गाड़ियों ने पाया काबू

**लोनी (शिखर समाचार)।** ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर ए-2 स्थित एयर फिल्टर बनाने वाली फैक्ट्री में सोमवार दोपहर भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग फैक्ट्री की चार मंजिला इमारत के चौथे तल पर बने अस्थायी टीन शेड के पूरे हिस्से में लगी थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि दोपहर 12:36 बजे लोनी के ट्रॉनिका सिटी अग्निशमन केंद्र को प्लॉट संख्या डी-25 पर अरुण एसोसिएट्स अथवा जिप फिल्टर्स के नाम से संचालित फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तीन दमकल वाहनों को तत्काल

घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। करीब 12:42 बजे दमकल टीमें मौके पर पहुंचीं तो चौथे तल से आग की तेज लपटें और काले धुएं का घना गुबार उठ रहा था। राहुल पाल ने बताया कि आग की गंभीरता को देखते हुए खेकड़ा अग्निशमन केंद्र से एक, साहिबाबाद से दो दमकल वाहन तथा वैशाली से दो पानी के टैंकर भी मौके पर बुलाए गए। वह स्वयं भी घटनास्थल पर पहुंचे और उनके निर्देशन में दोनों सीढ़ियों से पानी की चार धारें लगाकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर 1:30 बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। इसके बाद करीब 2 बजे तक आग को पूरी तरह बुझाने के साथ शीतलन कार्य भी पूरा कर लिया गया। दमकल टीम ने आग को फैक्ट्री के अन्य तल और आसपास की फैक्ट्रियों तक फैलने से रोक लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का संभावित कारण वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी माना जा रहा है। आग से चौथे तल का अस्थायी टीन शेड ढांचा भी झुक गया। घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।

# नंदी पार्क में 1923 गोवंश मिले, पट्टी गोआश्रय स्थल में व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल और सदस्य दीपक गोयल ने सोमवार को जनपद में गोवंश संरक्षण एवं गोआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने सबसे पहले दोपहर 2:30 बजे नगर निगम स्थित नंदी पार्क गोआश्रय स्थल का निरीक्षण किया, जहां 1,923 गोवंश संरक्षित मिले। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई और गोवंशों के रख-रखाव की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। अधिकारियों ने मृत्यु अभिलेख, पंचनामा, भूसा अभिलेख, चारा पंजिका और गोवंश पंजिका सहित अन्य अभिलेखों की जांच की। उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोनिका गुप्ता और उनकी टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए गोवंश सेवा में संवेदनशीलता और तत्परता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त शेड बनने के बाद छोटे और बड़े गोवंशों को अलग-अलग रखने का सुझाव भी दिया गया। इसके बाद शाम 6:30 बजे विकासखंड भोजपुर के स्थायी गोआश्रय स्थल पट्टी का निरीक्षण किया गया, जहां 155 गोवंश मिले। वहां भूसा, दाना और हरा चारा उपलब्ध पाया गया, लेकिन पथरीली भूमि के कारण हरा चारा अपेक्षित रूप से विकसित नहीं हो सका। अधिकारियों ने दोबारा हरा चारा लगाने के निर्देश दिए। गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल ने कहा कि निराश्रित गोवंश का संरक्षण और उनके भरण-पोषण की समुचित व्यवस्था संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने बीमार गोवंशों के उपचार, स्वच्छ पेयजल, नांद और पानी की टंकियों की नियमित सफाई तथा पर्याप्त सुरक्षित स्थान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोवंशों के गले में ऐसी रस्सी या सामग्री न बांधी जाए, जिससे उन्हें चोट या कष्ट पहुंचे। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# गंगा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर पलटी थार, चार युवकों की मौत, एक गंभीर घायल

**गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)।** सिंभावली थाना क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर सोमवार को तेज रफ्तार थार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में वाहन सवार चार युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। थाना प्रभारी अरविंद चौधरी पुलिस टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। जानकारी के अनुसार, पांच युवक थार गाड़ी से बदायूं से दिल्ली की ओर जा रहे थे। गंगा एक्सप्रेसवे पर सिंभावली थाना क्षेत्र में

अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि वाहन में सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल सिखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सुखबीर, जसवंत, जोगिंदर और रवि को मृत घोषित कर दिया। वहीं पांचवें युवक की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। हादसे की जानकारी मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर भी घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से दुर्घटना के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले की जांच और आगे की कार्रवाई के लिए अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है। घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दिए जाने के बाद परिवारों में कोहराम मच गया।

# सहज योग शिविर में साधकों ने किया कुंडलिनी जागरण और आत्म साक्षात्कार

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** असौड़ा रोड स्थित जय नारायण फार्म हाउस में 'सहज योग-आज का महायोग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहज योग पद्धति के माध्यम से नए साधकों को कुंडलिनी जागरण और आत्म साक्षात्कार का अनुभव कराया गया। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम माताजी निर्मला देवी द्वारा बताई गई सहज योग विधि के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को ध्यान और आत्मिक शांति से जुड़ी प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विवेक बहल ने सहज योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित ध्यान और योगाभ्यास से व्यक्ति मानसिक तनाव को कम करने तथा जीवन में सकारात्मकता लाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने साधकों को सहज योग की विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए इसे नियमित जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालुओं ने आत्म साक्षात्कार की अनुभूति प्राप्त करने का दावा करते हुए माताजी निर्मला देवी के प्रति आभार व्यक्त किया। साधकों ने कहा कि ध्यान और योग के माध्यम से उन्हें मानसिक शांति एवं आत्मिक संतुलन का अनुभव हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सहज योग को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सुनील कुमार, वीरेश कुमार बाना, मुकेश सिंघल, विनोद अग्रवाल, शीशपाल सिंह, मिथलेश, रुबीना महेश्वरी, दीपा भारद्वाज, अजय भारद्वाज, तुषार, अंकित, आशुतोष, बुद्ध प्रकाश शर्मा, राजेंद्र कुमार, अनीता शर्मा और आरके त्यागी समेत बड़ी संख्या में साधक एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।


## कार्यालय ग्राम पंचायत गुलावठी खुर्द विकास खण्ड दादरी जनपद - गौतमबुद्धनगर

पंत्राकः मीमो /टेण्डर नोटिस/2026-27 दिनांकः 31.08.2026

**निविदा आमंत्रण सूचना**

ग्राम पंचायत गुलावठी खुर्द की ओर से सीएसआर वित्त योजना के अन्तर्गत एन०टी०पी०सी० दादरी से ग्राम पंचायत गुलावठी खुर्द के ओ०एस०आर खाते में प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत गुलावठी खुर्द में कराये जाने वाले निमार्ण कार्य हेतु दिनांक 15.09.2026 को निविदाए आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक रजिस्टर्ड कान्टैक्टर जिनकी फर्म आर. ई.डी./ पी.डब्लू.डी / अन्य सरकारी विभागों में पंजीकत हो, नियमानुसार तिथि तक सीलबन्द लिफाफे में मात्रा के बिल के अनुसार निविदाएं सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय गुलावठी खुर्द पर प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत निविदाए उसी दिन 15.09.2026 को निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जाएगी।

| क्र० सं० | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख में) | धरोहर राशि (2 प्रतिशत) | निविदा मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित | कार्य पूर्ण की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ग्राम पंचायत गुलावठी खुर्द में शमसान घाट का निमार्ण कार्य । | 3943000.00 | 78860 | 394+500 = 894 | 90 दिन |

नियम एवं शर्तें:
1. धरोहर राशि (अरनेस्ट मनी) 2 प्रतिशत निविदा डालने के समय एन.एस.सी. /एफ.डी.आर / नकद के रूप में जो ग्राम पंचायत गुलावठी खुर्द के नाम बन्धक होगी तथा 8 प्रतिशत जमानत धनराशि प्रथम भुगतान के दौरान बन्धक करानी होगी।
2.कार्य जिला पंचायत /आर. ई.डी. / पीडब्ल्यूडी विभाग के मानक के अनुसार कराया जायेगा।
3. ग्राम पंचायत गुलावठी खुर्द को निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदार को ही देय होगी।
5. निविदादाता निविदा के साथ पैन नम्बर, जी.एस.टी. नम्बर, ब्लड रिलेशन प्रमाण पत्र, कान्टैक्टर पंजीकरण प्रमाण पत्र, स्टाम्प पेपर रुपये 100 (रसीदी टिकट के साथ) 90 दिनों की दरों की वैधता सम्बंधी, चरित्र प्रमाण पत्र, हैशियत प्रमाण पत्र व स्वः घोषणा प्रपत्र का प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करेंगे।
6. निविदादाता कार्य की आवश्यकता आदि की जानकारी सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रशासक / सचिव /कन्सलटिंग इंजीनियर से किसी भी कार्य दिवस में निविदा की अंतिम तिथि तक प्राप्त कर सकते हैं।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटोतिया की जाएगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेगी।

ग्राम प्रशासक/ ग्राम पं० सचिव
ग्राम पंचायत - गुलावठी खुर्द
दादरी - गौतमबुद्धनगर

## कार्यालय ग्राम पंचायत चौना विकास खण्ड बिसरख जनपद - गौतमबुद्धनगर

पंत्राकः मीमो /टेण्डर नोटिस/2026-27 दिनांकः 31.08.2026

**निविदा आमंत्रण सूचना**

ग्राम पंचायत चौना की ओर से सीएसआर वित्त योजना के अन्तर्गत एन०टी०पी०सी० दादरी से ग्राम पंचायत चौना के ओ०एस०आर खाते में प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत चौना में कराये जाने वाले निमार्ण कार्य हेतु दिनांक 16.09.2026 को निविदाए आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक रजिस्टर्ड कान्टैक्टर जिनकी फर्म आर.ई.डी. / पी.डब्लू डी / अन्य सरकारी विभागों में पंजीकत हो, नियमानुसार तिथि तक सीलबन्द लिफाफे में मात्रा के बिल के अनुसार निविदाएं सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय चौना पर प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत निविदाए उसी दिन 16.09.2028 को निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जाएगी।

| क्र० सं० | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख में) | धरोहर राशि (2 प्रतिशत) | निविदा मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित | कार्य पूर्ण की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ग्राम पंचायत चौना में आजाद के खेत से परमाल के खेत तक सी०सी० रोड निमार्ण कार्य। | 3999000.00 | 79980 | 399+500 = 899 | 90 दिन |

नियम एवं शर्तें:
1. धरोहर राशि (अरनेस्ट मनी) 2 प्रतिशत निविदा डालने के समय एन.एस.सी. / एफ.डी.आर / नकद के रूप में जो ग्राम पंचायत चौना के नाम बन्धक होगी तथा 8 प्रतिशत जमानत धनराशि प्रथम भुगतान के दौरान बन्धक करानी होगी।
2.कार्य जिला पंचायत / आर.ई.डी. / पीडब्ल्यूडी विभाग के मानक के अनुसार कराया जायेगा।
3. ग्राम पंचायत चौना को निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदार को ही देय होगी।
5. निविदादाता निविदा के साथ पैन नम्बर, जी.एस.टी.नम्बर, ब्लड रिलेशन प्रमाण पत्र, कान्टैक्टर पंजीकरण प्रमाण पत्र, स्टाम्प पेपर रुपये 100 (रसीदी टिकट के साथ) 90 दिनों की दरों की वैधता सम्बंधी, चरित्र प्रमाण पत्र, हैशियत प्रमाण पत्र व स्वः घोषणा प्रपत्र का प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करेंगे।
6. निविदादाता कार्य की आवश्यकता आदि की जानकारी सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रशासक / सचिव /कन्सलटिंग इंजीनियर से किसी भी कार्य दिवस में निविदा की अंतिम तिथि तक प्राप्त कर सकते हैं।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटोतिया की जाएगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेगी।

ग्राम प्रशासक / ग्राम पं० सचिव
ग्राम पंचायत चौना
बिसरख - गौतमबुद्धनगर

# संपादकीय

## अर्थव्यवस्था की रफ्तार ने जगाई उम्मीद, अब विकास का लाभ हर घर तक पहुंचाना चुनौती

महंगाई, महंगे कच्चे तेल, वैश्विक तनाव और बदलती अंतरराष्ट्रीय आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का प्रदर्शन किया है, वह निश्चित रूप से राहत और आत्मविश्वास देने वाला है। 31 अगस्त को जारी वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के आंकड़ों ने उन आशंकाओं को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है, जिनमें भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार कमजोर पड़ने की बात कही जा रही थी। अप्रैल से जून की तिमाही में देश की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 6.9 प्रतिशत थी। चालू कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सकल मूल्यवर्धन भी 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

इन आंकड़ों का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि दुनिया की अर्थव्यवस्था इस समय सामान्य परिस्थितियों से नहीं गुजर रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति शृंखला की अनिश्चितता और वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों का दबाव भारत जैसे बड़े आयातक देश के लिए चुनौती पैदा करता है। इसके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने घरेलू मांग, निवेश और विनिर्माण के सहारे अपनी गति बनाए रखी है। बाजार के अनुमानों से भी बेहतर रहे इन आंकड़ों ने यह संकेत दिया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। सबसे उत्साहजनक संकेत निवेश के मोर्चे से आया है। पहली तिमाही में सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह वृद्धि केवल 5.8 प्रतिशत थी। इसका सीधा अर्थ है कि अर्थव्यवस्था में नई क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचे और उत्पादन से जुड़े निवेश का वातावरण बेहतर हुआ है। निजी अंतिम उपभोग व्यय भी 7.1 प्रतिशत बढ़ा है। यानी निवेश के साथ घरेलू खपत ने भी अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है। निजी निवेश में करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि और ऋण मांग में मजबूती इस बात के संकेत हैं कि कारोबार जगत में भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ रहा है। विनिर्माण क्षेत्र की 9.2 प्रतिशत वृद्धि भी विशेष ध्यान देने योग्य है। लंबे समय से भारत के लिए यह चुनौती रही है कि सेवा क्षेत्र की तेज वृद्धि के साथ विनिर्माण को भी उतनी ही मजबूती मिले, क्योंकि बड़े पैमाने पर रोजगार और निर्यात के लिए औद्योगिक उत्पादन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वित्तीय, अचल संपत्ति, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि ने सेवा क्षेत्र की ताकत को भी सामने रखा है। प्राथमिक क्षेत्र की वृद्धि 2.9 प्रतिशत और कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि 3.6 प्रतिशत रही। इस तरह अर्थव्यवस्था के तीनों प्रमुख हिस्सों ने सकारात्मक योगदान दिया है, हालांकि कृषि की गति अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। यहीं से विकास की असली परीक्षा शुरू होती है। सकल घरेलू उत्पाद की ऊंची वृद्धि अपने आप में पर्याप्त नहीं है। आम नागरिक के लिए अर्थव्यवस्था की मजबूती का अर्थ तभी है जब रोजगार बढ़े, आय में वास्तविक वृद्धि हो, खाद्य वस्तुओं की कीमतें नियंत्रित रहें और परिवारों की क्रय शक्ति मजबूत हो।

## ~ मौलिक चिंतन ~

भाग्य बदलने के लिए उठ खड़े होने वाले ही इतिहास रचते हैं।

~~~~~~~~

© विनय संकोची

## हिमालय के ग्लेशियर और हिमस्खलन: विकास की कीमत कहीं विनाश तो नहीं?

सनत जैन

हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान की भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह एशिया की जलवायु, नदियों, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पिछले तीन दशकों में विकास के नाम पर जिस तेजी से पहाड़ों को काटा गया, जंगलों को कम किया गया, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप हुआ और अत्याधिक निर्माण किया गया, उसके परिणाम अब इनक्रीसिंगली दिखाई देने लगे हैं। ग्लेशियरों का सिकुड़ना, हिमस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना और पहाड़ों का दरकना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं। हिमालय की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। यहां सड़क, सुरंग, बांध, होटल, रिसॉर्ट और अन्य निर्माण यदि वैज्ञानिक क्षमता और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करके किए जाएं तो उनका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। एक पहाड़ का कमजोर होना पूरी घाटी के जलप्रवाह को बदल सकता है। मलबा नदी में पहुंचकर उसका मार्ग रोक सकता है। देखते ही देखते शांत नदी विनाशकारी बाढ़ का रूप ले सकती है। कहीं नदी का रास्ता बदल जाता है तो कहीं मलबे और चट्टानों का नया पहाड़ खड़ा हो जाता है। सबसे गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन की है। वैश्विक तापमान में वृद्धि का सीधा प्रभाव हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पीछे हटना केवल बर्फ के कम होने की कहानी नहीं है। यही ग्लेशियर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी प्रणालियों को पानी उपलब्ध कराते हैं। यदि हिमनदों का संतुलन बिगड़ता है तो आने वाले समय में एक तरफ अचानक बाढ़ और दूसरी तरफ जल-संकट दोनों का खतरा बढ़ सकता है। इस संकट का असर केवल मनुष्य पर नहीं होगा। हिमालय हजारों वनस्पतियों, पशु-पक्षियों और सूक्ष्म जीवों का घर है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से जैविक संरचना बदल रही है। कुछ प्रजातियां ऊंचाई की ओर जाने को मजबूर होंगी, कुछ के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। जंगलों की संरचना बदलेगी और उसके साथ पूरी खाद्य-श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अलग-थलग नहीं है। एक परिवर्तन दूसरे परिवर्तन को जन्म देता है। दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरणीय चेतावनियां वैज्ञानिक वर्षों से दे रहे हैं, लेकिन विकास की हमारी परिभाषा अभी भी सड़क, पुल, भवन और ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या से तय होती है। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे? भारत, नेपाल, चीन और पाकिस्तान के लिए हिमालय साझा प्राकृतिक व्यवस्था है। राजनीतिक सीमाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन ग्लेशियर, नदियां, हवा और मौसम सीमाओं को नहीं मानते। नेपाल में होने वाली हिमालयी आपदा का प्रभाव भारत तक पहुंच सकता है और हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन पूरे दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब इन देशों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हिमालय नीति बनानी होगी। ग्लेशियरों की लगातार निगरानी, वैज्ञानिक आधार पर निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध, जंगलों की रक्षा, नदी के प्राकृतिक मार्गों को सुरक्षित रखना और आपदा की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भी केवल सम्मेलन और घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों के वास्तविक पालन की निगरानी करनी होगी। प्रकृति को जीतने की वस्तु समझना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी भूल है। ब्रह्मांड एक है, धरती एक है, उसकी प्राकृतिक व्यवस्था भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। सीमाएं मनुष्य ने बनाई हैं, प्रकृति ने नहीं। यदि धन, सत्ता और सुविधा के लिए हम हिमालय जैसे प्राकृतिक सुरक्षा कवच को लगातार कमजोर करते रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें विकास का निमार्ता नहीं, बल्कि विनाश की नींव रखने वाली पीढ़ी के रूप में याद करेंगी। समय अभी भी हमारे हाथ में है। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। यह पानी, मौसम, जैव-विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव सभ्यता के भविष्य को बचाना है। इसके लिए जिम्मेदारी और बेहतर सोच तथा समन्वय की जरूरत है।

## बच्चों के लिए रात में बंद होगा फेसबुक-इंस्टाग्राम, पश्चिम ने समझी डिजिटल दुनिया की सीमा

कांतिलाल मांडोत

बालमन की सुरक्षा को लेकर अमरीका का बड़ा फैसला, भारत को भी सीख लेने की जरूरत...

सोशल मीडिया आज दुनिया के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और दूसरे डिजिटल मंचों ने सूचनाओं, मनोरंजन और संवाद के रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इनके बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और किशोरों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर कम उम्र में सोशल मीडिया की आदत बच्चों के मानसिक विकास, पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के बीच अमरीका में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल को लेकर जो कदम उठाया गया है, वह दुनिया के दूसरे देशों के लिए भी विचार का विषय बन गया है।

मेटा ने अमरीका के 47 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी समेत कुछ अमेरिकी क्षेत्रों के साथ हुए समझौते के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकताओं के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रात के समय प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नाबालिगों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक इन दोनों प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद रहेगा। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए रोजाना कुल दो घंटे की सीमा तय की जाएगी। यदि कोई किशोर इससे अधिक समय तक इनका इस्तेमाल करना चाहता है तो इसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी।

इतना ही नहीं, सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक नोटिफिकेशन बंद रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। इसका सीधा उद्देश्य यह है कि बच्चे लगातार आने वाले संदेशों, लाइक, कमेंट और दूसरी डिजिटल गतिविधियों से पढ़ाई के समय विचलित न हों। मेटा उम्र की पहचान की व्यवस्था को भी मजबूत करेगा और किशोरों को संवेदनशील सामग्री से बचाने के लिए नियंत्रण बढ़ाएगा। लाइक काउंट जैसी कुछ सुविधाएं भी नाबालिगों के लिए डिफॉल्ट रूप से छिपाई जाएंगी।

यह फैसला अचानक नहीं आया है। वर्ष 2023 में अमरीका के 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। आरोप था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में ऐसे फीचर डिजाइन किए गए हैं जो बच्चों और किशोरों को ज्यादा समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखते हैं। बाद में इस कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ता गया और इसमें 47 राज्य, वॉशिंगटन डीसी तथा कुछ अमेरिकी क्षेत्र शामिल हो गए। 26 अगस्त 2026 को मेटा और संबंधित राज्यों के अटॉर्नी जनरल के बीच समझौते के बाद इस मामले का समाधान हुआ।

इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। बताया गया है कि मेटा समझौते के तहत अमरीकी राज्यों और संबंधित क्षेत्रों को 10 वर्षों में किस्तों के माध्यम से 12.1 अरब डॉलर का भुगतान करेगा। यदि टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह के बाल सुरक्षा उपायों और भुगतान को स्वीकार करती हैं तो कुल राशि 17.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा अब केवल सामाजिक या पारिवारिक चिंता नहीं रही, बल्कि सरकारों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भी गंभीर नीति का विषय बन चुकी है।

सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। फिलहाल अमरीका में हुआ यह समझौता भारत में लागू नहीं होगा। हालांकि भारत में भी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर उम्र की सीमा, स्क्रीन टाइम और पैरेंटल कंसेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होती रही है। भारत जैसे देश में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर तेजी से स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

बच्चों का मन अत्यंत संवेदनशील होता है। कम उम्र में मिलने वाली सूचनाएं, तस्वीरें, वीडियो और सामाजिक प्रतिक्रियाएं उनके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की जिंदगी को देखने से बच्चों में अनावश्यक तुलना, लोकप्रिय होने की इच्छा और डिजिटल स्वीकृति पाने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। रात देर तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है और अगले दिन पढ़ाई तथा दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का सवाल नहीं, बल्कि बाल विकास और पारिवारिक जीवन से जुड़ा विषय है।

भारत में इस मुद्दे पर सरकार, विद्यालयों और अभिभावकों को मिलकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केवल प्रतिबंध लगा देना हर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। बच्चों को डिजिटल दुनिया के सही और गलत उपयोग के बारे में समझाना भी उतना ही आवश्यक है। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा और यह समझना होगा कि वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, किस तरह की सामग्री से प्रभावित हो रहे हैं और सोशल मीडिया उनके समय तथा व्यवहार को किस तरह बदल रहा है।

विडंबना यह है कि जिस भारतीय संस्कृति को आज आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटती हुई संस्कृति समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उसमें सदियों से संयम, समय का सदुपयोग, परिवार के साथ संवाद और संतुलित जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आज पश्चिमी देशों में भी डिजिटल जीवन की सीमाएं तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि पश्चिम की हर व्यवस्था गलत है या भारत को हर चीज का विरोध करना चाहिए। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि आधुनिक तकनीक का लाभ तभी है जब उसका उपयोग मनुष्य के नियंत्रण में रहे, न कि मनुष्य स्वयं तकनीक के नियंत्रण में आ जाए।

भारत को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण करने के बजाय अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप रास्ता तैयार करना चाहिए। बच्चों के लिए निश्चित डिजिटल समय, रात में उपकरणों से दूरी, विद्यालयों में डिजिटल अनुशासन और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जैसे कदम प्रभावी हो सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों को भी बच्चों की उम्र की पहचान, संवेदनशील सामग्री पर नियंत्रण और नाबालिगों की गोपनीयता की रक्षा के लिए अधिक जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए।

अमरीका का फैसला भारत के लिए चेतावनी से अधिक एक अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि तकनीक बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएगी या उनका बचपन ही डिजिटल स्क्रीन में सिमट जाएगा। विकास का अर्थ केवल तेज इंटरनेट और अत्याधुनिक तकनीक नहीं है। वास्तविक विकास तब होगा जब तकनीक के साथ बच्चों का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक विकास भी सुरक्षित रहे। यदि पश्चिमी देश अब बच्चों को रात में सोशल मीडिया से दूर रखने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो भारत को भी अपने बच्चों के हित में समय रहते ठोस और संतुलित कदम उठाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

## भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर पकड़ी रफ्तार, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि ने जगाई नई उम्मीद

विनोद सिंह 'तकियावाला'

**आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की जीडीपी में नहीं, बल्कि उस जीडीपी से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।**

विकास के आँकड़े उत्साहजनक, मगर असली चुनौती रोजगार, आमदनी और आम आदमी की खुशहाली तक आर्थिक रफ्तार पहुँचाने की...

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर दुनिया को अपनी आर्थिक मजबूती का एहसास कराया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता,भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक चुनौतियों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद यानी GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर को एक बार फिर उम्मीद से भर दिया है।

स्थिर कीमतों पर पहली तिमाही में वास्तविक GDP 81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र GDP 88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है।वहीं वास्तविक GVA 73.82 लाख करोड़ रुपये रहा और इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नाममात्र GVA में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आँकड़ों की यह तस्वीर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है। मगर आर्थिक विकास की असली कहानी केवल GDP की ऊँची दर में नहीं छिपी होती। सवाल यह भी है कि आर्थिक विकास की यह रफ्तार देश के गांवों, कस्बों, छोटे कारोबारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के जीवन में कितनी दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, मगर उस बढ़ती अर्थव्यवस्था में आम आदमी की हिस्सेदारी बढ़ना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। भारत की आर्थिक विकास यात्रा में सेवा क्षेत्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।वित्तीय, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विस्तार को गति दी है। पहली तिमाही में व्यापक सेवा क्षेत्र की वास्तविक GVA वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट, क्ळ और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की स्थिति भी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। द्वितीयक क्षेत्र में वास्तविक वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। पूंजीगत वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में 15.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों के विनिर्माण में 27 प्रतिशत और अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों के विनिर्माण में भी 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इन आँकड़ों को भारत के बदलते औद्योगिक स्वरूप से जोड़कर देखा जाना चाहिए। देश अब केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन उपकरण, विद्युत उपकरण और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की आर्थिक सोच के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण है।

निवेश के मोर्चे पर भी आँकड़े उम्मीद जगाते हैं। पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत देता है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मशीनरी, संयंत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश की गतिविधियां जारी हैं। निजी अंतिम उपभोग व्यय में भी 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

आर्थिक विकास का पहिया तभी तेजी से घूमता है जब निवेश और उपभोग दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और उपभोग से बाजार में मांग पैदा होती है। मांग बढ़ती है तो उद्योग उत्पादन बढ़ाते हैं, उत्पादन बढ़ता है तो रोजगार और आय के अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए पहली तिमाही के आंकड़ों में निवेश और उपभोग की मजबूती को विशेष महत्व देना होगा।

ग्रामीण भारत की तस्वीर भी इस आर्थिक कहानी का अहम हिस्सा है। प्राथमिक क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन सीधे ग्रामीण मांग से जुड़ता है और ग्रामीण मांग का प्रभाव छोटे दुकानदारों, स्थानीय बाजारों, परिवहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं तक दिखाई देता है।

निर्यात के आँकड़े भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। पहली तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। परिवहन वस्तुओं के निर्यात में 52.2 प्रतिशत और मशीनरी एवं उपकरणों के निर्यात में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह भारत की वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिशों का संकेत है।

हालाँकि दूसरी तरफ आयात में भी तेज वृद्धि हुई है। वस्तुओं और सेवाओं के आयात में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मशीनरी और उपकरणों के आयात में 51.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे एक ओर देश में निवेश और उत्पादन की बढ़ती जरूरत के रूप में देखा जा सकता है,वहीं दूसरी ओर आयात निर्भरता कम करने की चुनौती भी इससे जुड़ी हुई है।भारत के लिए आने वाला समय इसलिए केवल तेज आर्थिक वृद्धि का नहीं, बल्कि उस वृद्धि की गुणवत्ता का भी समय है। GDP की 7.8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से उपलब्धि है, मगर क्या यह वृद्धि पर्याप्त रोजगार पैदा कर रही है? क्या युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर मिल रहे हैं? क्या किसानों और ग्रामीण परिवारों की वास्तविक आय बढ़ रही है? क्या छोटे और मध्यम उद्योग इस आर्थिक विस्तार का पर्याप्त लाभ उठा रहे हैं? ये प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले भी GDP के मजबूत आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और देशवासियों की मेहनत से जोड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही थी और उसकी चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी गति को बनाए रखा है।मगर वैश्विक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, व्यापारिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग की अनिश्चितता भारत के सामने आने वाली चुनौतियां हैं। इसलिए आर्थिक विकास को केवल सरकारी खर्च या किसी एक क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। निजी निवेश, घरेलू मांग, निर्यात, विनिर्माण और रोजगार के बीच संतुलन बनाना होगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि GDP की इस रफ्तार को टिकाऊ बनाया जाए। बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखना होगा, एमएसएमई को वित्त और बाजार उपलब्ध कराने होंगे, विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना होगा और युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास पर और अधिक ध्यान देना होगा। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मगर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और देश के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाना दो अलग-अलग लक्ष्य नहीं हो सकते। दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

GDP का आँकड़ा जब 7.8 प्रतिशत की वृद्धि की कहानी सुनाता है तो देश को निश्चित रूप से गर्व होना चाहिए। मगर उस आंकड़े की असली सफलता तब होगी जब किसान की आय में सुधार दिखाई दे, मजदूर की मजदूरी और रोजगार की सुरक्षा बढ़े, छोटे व्यापारी के कारोबार में रौनक लौटे, युवाओं को रोजगार मिले और मध्यम वर्ग के परिवार को महँगाई तथा भविष्य की चिंता से राहत मिले।भारत की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में मजबूत शुरूआत की है। निवेश बढ़ा है, उपभोग बढ़ा है, विनिर्माण में गति दिखाई दे रही है, सेवाएं मजबूत हैं और निर्यात में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। ये सभी संकेत भारत के आर्थिक भविष्य के लिए उम्मीद जगाते हैं।

मगर आर्थिक विकास की असली मंजिल अभी दूर है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर मंजिल नहीं, बल्कि उस लंबी यात्रा का एक पड़ाव है जिसमें भारत को आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ सामाजिक रूप से अधिक समावेशी भी बनना है।

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की GDP में नहीं, बल्कि उस GDP से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत के आंकड़े ने उम्मीद का दरवाजा खोल दिया है। अब जरूरत इस दरवाजे से आगे बढ़कर ऐसी आर्थिक व्यवस्था बनाने की है जिसमें विकास के आंकड़े और आम आदमी की जिंदगी के आंकड़े एक-दूसरे से अलग दिखाई न दें।आलेख में GDP, GVA, निवेश, उपभोग, कृषि, विनिर्माण और निर्यात के आंकड़े उसी नई GDP श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के अनुरूप रखे गए हैं,जिसे MoSPI ने फरवरी 2026 में जारी किया था।
~~~~~~~~

# बच्चों की काबिलियत पर ध्यान दें अभिभावक

बच्चों के लिए स्कूल में स्पोर्ट्स खेलना जरूरी होता है क्योंकि यह कई तरह से उन्हें फायदा पहुंचाता है।

## बच्चे के स्कूल में जरूर होनी चाहिए स्पोर्ट्स फैसलिटी

सिर्फ काम और खेलकूद नहीं, ऐसे तो बच्चा सुस्त बन जाएगा। स्पोर्ट्स से दूर रहने से इंसान फिट नहीं रह पाता है और स्ट्रेस में रहता है और बोरिंग भी बन जाता है। स्पोर्ट्स सिर्फ एंटरटेनमेंट या मजे के लिए ही नहीं होते हैं बल्कि इससे मेंटल और फिजिकल हेल्थ को भी बहुत फायदे मिलते हैं। इसलिए मेंटली और फिजिकली फिट रहने के लिए आपको स्पोर्ट्स को अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। अगर आप भी पेरेंट हैं, तो अपने बच्चे को स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने के लिए कहें और स्कूल में भी स्पोट्स पर जोर देने की बात करें।

### लीडरशिप स्किल्स आते हैं

स्पोर्ट्स से बच्चे में अपनी टीम का नेतृत्व करने का गुण विकसित होता है। इस प्रक्रिया के दौरान बच्चे में निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। लीडर बनकर बच्चा अपनी टीम के साथ कोऑर्डिनेट करना और सलाह देना और लेना सीखता है। बच्चे को अपनी कमजोरी और ताकत का भी पता चलता है जिससे वो समय के साथ बेहतर होता जाता है।

### फिजिकल ग्रोथ होती है

फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज से बच्चे की मांसपेशियों और हड्डियों के विकास को बढ़ावा मिलता है। स्पोर्ट्स खेलने वाले बच्चे अच्छी डाइट भी लेते हैं जिससे उनकी सेहत और एनर्जी लेवल अच्छा रहता है। हेल्दी आदतों से कोशिकाओं और हार्मोंस का लेवल भी संतुलित रहता है। अगर बच्चा फिजिकली फिट होगा, तो वो अपनी पढ़ाई पर भी अच्छे से ध्यान दे पाएगा।

### अच्छी नींद आती है

खेलकूद के बाद बॉडी धीरे-धीरे नींद लाने वाले हार्मोंस को ट्रिगर करता है। ये हार्मोंस शरीर को आराम देते हैं जिससे अच्छी नींद आती है। अगर बच्चा ठीक से सोएगा नहीं, तो उसे स्कूल में सुस्ती आएगी और वो पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाएगा। इसलिए बच्चों के लिए स्पोर्ट्स जरूरी हैं।

### आत्मविश्वास बढ़ता है

गेम में बच्चे को अपनी ताकत और क्षमता के बारे में पता चलता है। इससे बच्चा खुद को दूसरों से बेहतर और अलग मानता है। अपनी ताकत को जानकर बच्चे का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब टूर्नामेंट में बच्चे की तारीफ की जाती है, तो इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ता है और वो नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर पाता है।

### टीम में रह कर काम करना

स्पोर्ट्स से बच्चा अपने साथियों के साथ को-ऑर्डिनेट करना सीखता है। एक टीम में अलग-अलग जेंडर, कास्ट, रंग और धर्म के लोग मिलते हैं। यहां बच्चा हर किसी के साथ काम करना और उसका आदर करना सीखता है। उसे कुछ क्रिएटिव और स्मार्ट स्किल्स भी सीखने को मिलते हैं। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्पोर्ट्स कितना जरूरी है। इसका बच्चों को कई तरह से फायदा मिलता है जैसे कि वो फिजिकली फिट बनते हैं और कई तरह के स्किल्स भी सीखते हैं। अगर स्कूल में स्पोर्ट्स नहीं है तो आप स्कूल के स्टाफ से बात करें या आप बच्चे को स्कूल के बाहर किसी एकेडमी में भी कोई स्पोर्ट्स ज्वॉइन करवा सकते हैं।

---

बच्चों को घर पर छोड़कर आए एक दंपति ने सामने वालों के घर पहुंचते ही कहा कि बच्चे पढ़ने में बिजी हैं, इसलिए खाने पर हम दोनों ही आ गए। बातों ही बातों में उन वैज्ञानिक पति और लेक्चरर पत्नी ने यह भी कह दिया कि आप लोगों ने तो मामूली सरकारी नौकरी की है इसलिए आप लोगों की बात अलग है। लेकिन हम आज जिस मुकाम पर है, उस हिसाब से हमने अपने बच्चों के लिए भी कुछ बेंच मार्क्स तय किए हैं। ताकि वह हमसे भी ज्यादा ऊंचे ओहदे पर पहुंचे!

### केस 2

'अरे साब! क्या बात कर रहे हैं, आप तहसीलदार हैं तो रोहित डिप्टी कलेक्टर बनेगा ही। नाक कटवाएगा क्या पिता की' ? उधर, तहसीलदार पिता, अपने चापलूस मित्र की बात पर केवल खिसियानी हंसी हंस रहे थे, वे ये नहीं कह पाए कि उनका बेटा अपनी काबिलियत, अपनी रुचि के हिसाब से जो बनना चाहेगा, वही बनेगा। लेकिन बेटा सहम गया। उसे तो सिर्फ उसके आगे आने वाले समय की चिंता थी।

### केस 3

'क्यों रोहन, तुम्हारे पापा शहर के इतने बड़े डॉक्टर हैं, और तुम्हें जरा भी नहीं लगता कि अपने पापा की तरह बनो? उनकी तरह क्या, तुम्हें उनसे चार कदम आगे निकलकर दिखाना होगा न' ? तुम्हारे दादा होम्योपैथी के डॉक्टर थे और तुम्हारे पापा ने मेडिसिन में नाम कमाया। जरा मन लगाकर पीएमटी की तैयारी करो। रोहन, जिसे मैथ्स, फिजिक्स जैसे विषयों में दिलचस्पी है, पिता के प्रभाव के आगे कुछ बोल नहीं पा रहा था। हां, मगर चिंता में जरूर पड़ गया कि यदि मैं डॉक्टर नहीं बन पाया तो.? ये किस्सा केवल रोहित या रोहन का नहीं है, बल्कि हमारे समाज के अधिसंख्य बच्चों का है, जिनके माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार

**माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार तो ये अभिभावक बच्चों की काबिलियत पर भी ध्यान नहीं देते। बड़े अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है!**

अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है! बच्चा ऐसी इच्छाएं सुनकर ही दहशत में आ जाता है। पढ़ाई के बोझ के साथ-साथ मां-बाप का नाम रोशन करने का बोझ उठाए, न ठीक से पढ़ाई कर पाता है, न ही दिमागी सुकून मिल पाता है उसे। पढ़ाई के समय ये तनाव बच्चों के ऊपर जबर्दस्त तरीके से सवार होता है। इस तनाव के शिकार बच्चे का

तो? जैसी चिंता पर ज्यादा केंद्रित रहता है। नतीजतन, न पढ़ाई हो पाती है, न आराम और न ही अगला पेपर अच्छा हो पाता है।

### रिसर्च में भी खुलासा

अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1970 के बाद से बच्चों के प्रति जिस प्रकार अभिभावकों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं, उनसे बच्चों में तनाव का आंकड़ा आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा है। प्रो.जेफरी पी.बोस्को का कहना है कि यह ग्राफ वर्ष 70 से लेकर 2000 के बीच में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ा, जो

रहा है। अभिभावकों में बच्चों को पूरे समय पढ़ाते/पढ़ते देखने की अजीबोगरीब रुचि पैदा हो गई है। अधिकांश अभिभावक स्कूल में भी ये शिकायत करते मिल जाएंगे-क्या करें पढ़ता ही नहीं है, टीवी देखता है। अब यदि बच्चे को हर वक्त पढ़ाई में ही जुटा देखने की चाहत अभिभावक की होगी तो उन्हें क्या लगता है, बच्चे सचमुच पढ़ रहे होंगे? ना, बिल्कुल नहीं। पढ़ाई में मन लगने का भी एक निश्चित

है, पढ़िए, जैसे ही मन उचाट हो, किताब बंद कर दीजिए क्योंकि बिना मन के पढ़ाई होगी ही नहीं। मजे की बात, मां-बाप का, बच्चे को खुद से बेहतर बनाने का दवाब अधिकांशत: लड़कों पर ही होता है। इस दवाब की शिकार फिलहाल लड़कियां नहीं हैं। इसके पीछे वही सोच काम कर रही होती है कि लड़की को तो दूसरे के घर जाना है, सो उनका नाम तो लड़के को ही रोशन करना है, तब पूरा ध्यान लड़के पर ही लगाया जाए।

दसवीं का एक बच्चा, जो शाम की क्लास में आता है, उसे मैथ्स नहीं पढ़ना। सबसे कम नंबर उसके मैथ्स में ही आते हैं जबकि दूसरे

माता-पिता उसे बहुत बड़ा इंजीनियर बनाना चाहते हैं और बच्चा अभी से तनाव में है कि यदि उसे किसी भी प्रकार से मैथ्स दिला दी गई, तो वह कैसे पढ़ेगा?

### बच्चों की मानसिकता समझें

पिछले दिनों अखबारों में कई समाचार आए बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने के। सामान्य तौर पर हमारी प्रतिक्रिया होती है-'अरे! पेपर अच्छा नहीं हुआ था तो उसमें मरने की क्या बात? लेकिन ये हम या आप कह रहे होते हैं न? उस बच्चे पर इस इम्तिहान को लेकर, संबंधित विषय को लेकर घर वालों का कितना दबाव रहा होगा, ये उसकी आत्महत्या से हम समझ सकते हैं। मरना बहुत आसान नहीं होता। एक बच्ची ने आत्महत्या के अपने नोट में लिखा- मेरी अंग्रेजी बहुत कमजोर है। मैं इस विषय में पास नहीं हो पाऊंगी। सोचिए उस बच्ची पर अंग्रेजी का कैसा दवाब रहा होगा? तो माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों की रुचियों का ध्यान रखें और उन्हें अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने को न केवल प्रोत्साहित करें, बल्कि मौके भी तलाशें। आज चुनिंदा विषय नहीं रह गए हैं पढ़ने को, न ही चुनिंदा राहें। हर विषय के बच्चों के लिए काम के पर्याप्त मौके हैं। बच्चों को उनके अपने सपने पूरे करने दें, उनमें अपना सपना साकार न करें। हमारी ये सोच शायद उन्हें तनावमुक्त कर सकें।

---

# अपनी स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से बेसन में मिलाकर लगाएं ये चीजें

**मौसम भले कोई भी हो स्किन से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। मगर अक्सर लड़कियां स्किन प्रॉब्लम्स के हिसाब से सही चीजें नहीं चुनती है। इसके कारण समस्या वहीं की वहीं रहती है। वैसे तो स्किन संबंधी समस्याओं से आराम पाने के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बेस्ट माना गया है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे बताते हैं कि जिसे आप बेसन में मिलाकर लगाने से फायदा मिलेगा। जानते हैं उन होममेड फेसपैक के बारे में...**

### ऑयली स्किन के लिए बेसन और टमाटर फेसपैक

ऑयली स्किन टाइप वाली लड़कियों को बेसन और टमाटर का फेसपैक लगाना चाहिए। यह चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल साफ करके त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। इससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, सनटैन की समस्या दूर होने में मदद मिलती है।

#### ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए 1 टमाटर को ब्लेंड करके पेस्ट बनाएं। फिर इसमें जरूरत अनुसार बेसन, कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट या सूखने के बाद फेसपैक को हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए उतारे। बाद में ताजे पानी से मुंह धो लें।

### दाग-धब्बे हटाने के लिए बेसन और हल्दी फेसपैक

अगर आप चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे, कील-मुंहासे आदि से परेशान है तो बेसन में हल्दी मिलाकर लगाएं। इससे स्किन संबंधी समस्याएं दूर होकर चेहरा साफ, निखरा, मुलायम व जवां नजर आएगा। साथ ही त्वचा की रंगत निखरेगी।

#### ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन, चुटकीभर हल्दी और जरूरत अनुसार गुलाब जल या पानी मिलाएं। अब इसे चेहरे व गर्दन पर 10-15 मिनट तक लगाएं। बाद में इसे पानी से साफ करके मॉश्चराइजर लगा लें।

### झुर्रियां दूर करने के लिए बेसन और दही फेसपैक

झुर्रियों को कम करने के लिए दही और बेसन का फेसपैक बेस्ट माना जाता है। यह ढीली पड़ी स्किन को टाइट करने उसे ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह त्वचा को नमी देकर बुढ़ापे के लक्षण करता है।

#### ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार दही मिलाएं। इसे हल्के हाथों से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20-30 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

### ग्लोइंग स्किन के लिए बेसन और शहद फेसपैक

सनटैन से खराब हुई स्किन पर निखार वापस लाने के लिए आप बेसन और शहद का फेसपैक लगा सकती है। बेसन स्क्रब की तरह काम करके डेड स्किन सेल्स को साफ करता है। वहीं शहद क्लींजिंग एजेंट की तरह काम करके ग्लो लाने में मजज करता है। इसके साथ ही त्वचा में होने वाली जलन, खुजली व रूखापन दूर होगा।

#### ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार शहद मिलाएं। इसे चेहरे व गर्दन पर स्क्रब करते हुए लगाएं। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में इसे पानी से साफ कर लें।

---

# मानसून में बनाएं कॉर्न चाट

मानसून में गर्मा-गर्म भुट्टा तो आपने बहुत खाएं होंगे। मगर आज हम आपके लिए खास स्वीट कॉर्न चाय रेसिपी लेकर आए है। इसे आप अपनी मनपसंद सब्जियों से बना सकती है। वहीं स्वीट कॉर्न पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सडीटेंस गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में इसका सेवन करने से टेस्ट के साथ सेहत भी बरकरार रहेगी। जानते हैं इसे बनाने का तरीका...

### सामग्री

फोजन कॉर्न (उबले)- 900 ग्राम, मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच, भुना जीरा पाउडर - 2 छोटे चम्मच
नमक- आवश्यकता अनुसार, शिमला मिर्च - 2
नीबू का रस -2 बड़े चम्मच, धनिया - 2 बड़े चम्मच
काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच
काला नमक - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 कप
प्याज - 1, तेल- आवश्यकता अनुसार

### विधि

- एक बाउल में सभी मसाले मिलाएं।
- अलग बाउल में सब्जियां काट कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके मीडियम आंच पर कॉर्न फ्राई करें।
- अब कॉर्न को सब्जियों में मिलाएं।
- इसमें मसाला, नीबू का रस मिलाएं।
- चाट को सर्विंग प्लेट में निकाल कर धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

# बच्चों के लिए बनाएं क्रिस्पी चीजी रैप

चीज से आपने बर्गर, पिज्जा तो बहुत खाया होगा। वहीं बच्चों को तो चीज बेहद ही पसंद होता है। चीज प्रोटीन से भरपूर होता है। यह खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। ऐसे में हम आपके लिए खास चीजी रैप की रेसिपी लेकर आए है।

### सामग्री

उबले मैश्ड आलू- 1,1/2, प्याज- 1 (बारीक कटा)
शिमला मिर्च- 1 (बारीक कटी),
चिली फ्लेक्स- 1 छोटा चम्मच,
ऑरिगेनो- 1/2 छोटा चम्मच, ब्रेड स्लाइस- 4,
चीज- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
नमक- स्वाद अनुसार, तेल- आवश्यकता अनुसार

### विधि

- एक बाउल में आलू, प्याज, शिमला मिर्च, चिली फ्लेक्स, ऑरिगेनो, नमक और चीज डालकर मिलाएं।
- ब्रेड या रोटी को हल्के से दबाकर स्टफिंग भरें।
- ब्रेड पर तेल लगाकर फोल्ड करें।
- पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रैप तल लें।
- इसे सर्विंग प्लेट में निकाल कर टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

# हैल्थ कॉन्शियस है तो खाएं गुजराती खांडवी

बेसन खांडवी गुजरात की फेमस डिशेज में से एक है। यह खाने में टेस्टी और हल्की होती है। इसे खाने से पेट हैल्दी रहता है। मगर अक्सर लोग इसे बनाने में कंफूजर रहते हैं। आप इसे विकेंड में बनाकर खा सकते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए खास गुजराती खांडवी की रेसिपी लेकर आए है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

### सामग्री

बेसन- 1 कप
अदरक-हरी मिर्च पेस्ट - 1 बड़ा चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
छाछ- 3 कप
हींग- चुटकीभर
राई- 1/2 छोटा चम्मच
नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- आवश्यकता अनुसार
नारियल- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
धनिया- 1 बड़ा चम्मच

### विधि

- एक बाउल में बेसन, नमक, हल्दी, नींबू का रस, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और छाछ मिलाएं।
- इसे पैन में डालकर लगातार चलाते हुए पकाएं।
- मिश्रण को गाढ़ा घोल होने तक पकाएं।
- अब प्लेट के पिछले हिस्से पर तेल लगाकर मिश्रण पतला सा मिश्रण फैलाएं।
- मिश्रण के ठंडा होने पर इसे दो इंच चौड़ी स्ट्रिप्स में काटकर रोल करें।
- अब अलग पैन में तेल गर्म करके हींग और राई भूनें।
- प्लेट में खांडवी रखकर ऊपर से हींग और राई का तड़का डालें।
- नारियल और धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

## वैश्विक दबाव में सोना-चांदी धड़ामः खरीदारी का शानदार मौका!

**24 कैरेट सोना 2,460 और चांदी 2,840 प्रति किलोग्राम सस्ती हुई**

**नई दिल्ली**

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर मांग में कमी के चलते भारतीय सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पिछले कुछ दिनों से जारी उतार-चढ़ाव के बाद, दोनों कीमती धातुएं तेजी से नीचे आई हैं, जिससे निवेशकों और खरीदारों में हलचल मच गई है। आज 24 कैरेट सोना 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हुई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और प्रमुख हाजिर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट शुद्ध सोने की कीमत में करीब 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम की भारी कटौती देखी गई है। इस गिरावट के बाद शुद्ध सोना अब 1,54,390 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। वहीं आभूषण बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले 22 कैरेट सोने के दामों में भी आनुपातिक कमी आई है। सोने के साथ-साथ चांदी में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। चांदी की कीमत 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम गिरकर 2,39,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक इस बड़ी गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ता है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। हालांकि, स्थानीय सर्राफा व्यापारियों का मानना है कि यह गिरावट आम ग्राहकों और आगामी त्योहारों के सीजन में खरीदारी करने वालों के लिए एक अच्छा अवसर साबित हो सकती है। ग्राहकों को ध्यान देना चाहिए कि ये कीमतें बिना टैक्स की हैं। खुदरा दुकान से फिजिकल सोना या चांदी खरीदने पर 3 फीसदी जीएसटी और ज्वैलर्स का मेकिंग चार्ज अलग से लगता है। विशेषज्ञों ने निवेशकों और खरीदारों को बाजार के रुख पर नजर रखने और सावधानी से कदम उठाने की सलाह दी है।

## एसआईपी निवेशकों का रुझान बदला, मिडकैप बना नंबर वन, लार्जकैप लुढ़का

**- पिछले पांच साल में पारंपरिक निवेश से हटकर व्यापक बाजार की ओर बढ़े निवेशक**

**नई दिल्ली ।**

पिछले पांच साल में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के निवेशकों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब उनका रुझान पारंपरिक लार्ज कैप और टैक्स-सेविंग फंड्स की बजाय व्यापक बाजार से जुड़ी कैटेगरी की ओर बढ़ रहा है। उद्योग निकाय एम्फी और रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा फैक्टबुक के अनुसार, मार्च 2026 में मिड कैप फंड एसआईपी निवेश की सबसे बड़ी कैटेगरी बनकर उभरे हैं, जबकि पांच साल पहले लार्ज कैप फंड सबसे आगे थे। मार्च 2021 में लार्ज कैप फंड 16 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे पसंदीदा थे, लेकिन मार्च 2026 तक इनकी हिस्सेदारी घटकर 10 फीसदी रह गई और यह चौथे स्थान पर आ गए। वहीं, मिड कैप फंड की हिस्सेदारी 12.1 फीसदी से बढ़कर 13 फीसदी हो गई, जिससे यह तीसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। स्मॉल-कैप फंड्स की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी, इनकी हिस्सेदारी 8.3 फीसदी से बढ़कर 12.1 फीसदी हो गई और यह पांचवें से तीसरे स्थान पर आ गए। फ्लेक्सी-कैप फंड (12.8 फीसदी) दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। सेक्टोरल/थीमैटिक फंड्स की हिस्सेदारी 5.8 से बढ़कर 8.7 फीसदी हो गई, यह आठवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

दूसरी ओर, ईएलएलएसएस की हिस्सेदारी 12.1 से घटकर 6.8 फीसदी रह गई। मल्टी-कैप फंड भी 4.1 फीसदी हिस्सेदारी के साथ पहली बार टॉप-10 (नौवें स्थान) में शामिल हुए, जबकि बैलेंस्ड हाइब्रिड/एग्रेसिव हाइब्रिड फंड इस सूची से बाहर हो गए हैं।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 307, निफ्टी 95 अंक गिरा**

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी बाजार नीचे आया है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307.24 अंक टूटकर 76,957.27 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 95.25 अंक फिसलकर 24,080.40 पर बंद हुआ।

बाजार की व्यापक स्थिति पर नजर डालें तो आज बीएसई पर कुल 4680 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2571 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1855 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 254 शेयरों में कोई बदलाव नहीं रहा। बेंचमार्क इंडेक्स में कमजोरी के बावजूद, निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत निफ्टी मिडकैप 100 में देखा गया, जो 0.24 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 64,224.75 पर बंद हुआ। हालांकि, स्मॉलकैप इंडेक्स पर दबाव बना रहा और निफ्टी स्मॉलकैप 100 0.74 फीसदी गिरकर 19,931.65 पर आ गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से अधिकांश में कमजोरी हावी रही, जहां केवल 9 शेयर ऊपर चढ़े, जबकि 21 में गिरावट दर्ज की गई। बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व और टीसीएस शामिल थे। दूसरी ओर, अधिक गिरावट वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और कोटक बैंक जैसे दिग्गज शेयर शामिल रहे, जिन्होंने इंडेक्स को नीचे खींचने में अहम भूमिका निभाई।बाजार में इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। सबसे पहले, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इसके साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना ने भी बाजार को चिंतित किया। जानकारों ने इस संभावना को बल दिया है, जिससे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि हुई और डॉलर में मजबूती आई, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का डर बढ़ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 419.70 अंक गिरकर 76,844.81 पर और निफ्टी 156.60 अंक फिसलकर 24,019.05 पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सभी लाल निशान में बंद हुए।

## 2031 तक 63 लाख यूनिट तक पहुंच सकता है भारत का कार बाजार- भार्गव

**वार्षिक बैठक में भार्गव ने कहा- कर सुधारों ने मुश्किल समय में अर्थव्यवस्था को सहारा दिया**

**नई दिल्ली ।** मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी. भार्गव ने सोमवार को कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती ने न केवल वाहन उद्योग बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को गति दी है। उन्होंने जोर दिया कि कर सुधारों ने पश्चिम एशिया युद्ध जैसी चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है। भार्गव ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर है। उनका मानना है कि जीएसटी सुधारों के बिना मुश्किल समय में प्रदर्शन इतना बेहतर नहीं होता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इन ऐतिहासिक सुधारात्मक कदमों के लिए धन्यवाद दिया और सरकारों से व्यापार को आसान बनाने तथा प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग करने का आग्रह किया, क्योंकि यह भ्रष्टाचार और विलंब कम करता है। मारुति चेयरमैन ने अनुमान लगाया कि भारतीय कार उद्योग 2031 तक 61 से 63 लाख इकाइयों तक पहुंच जाएगा, जिसमें छोटी कारों का बाजार तेजी से बढ़ेगा। इस वृद्धि को पूरा करने के लिए, मारुति अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रही है, जिसका लक्ष्य 2026-27 तक 29 लाख और 2030-31 तक 36.5 लाख इकाइयों की स्थापित क्षमता हासिल करना है। उन्होंने हरियाणा के खरखौदा, गुजरात के हंसलपुर और साणंद में नए संयंत्रों व विस्तार योजनाओं का उल्लेख किया, जिसमें साणंद में लगभग 35,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

## पार्थ जिंदल बने जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के नए चेयरमैन

**स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी की बातचीत के बीच हुई नियुक्ति**

**मुंबई ।**

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि पार्थ जिंदल को तत्काल प्रभाव से कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वे पहले कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल थे और उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब समूह भविष्य की रणनीतिक साझेदारियों की तलाश में है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का एक संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 फीसदी, एसएआईसी मोटर की 49 और शेष 16 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर व कर्मचारियों के पास है। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही निदेशक मंडल में शामिल रहे हैं। उन्होंने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण कार्यक्रमों को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के तौर पर अपनी नई जिम्मेदारी के अलावा, पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन तथा जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक मंडल में भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं।

## कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च, फिनटेक कंपनियां करेंगी कमाई

**60 घंटे का काम सिर्फ 45 मिनट में होगा, यह लोन रिकवरी जैसे काम भी करेगा**

**नई दिल्ली।**

फिनटेक कंपनी कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च कर रही है ताकि भुगतान से जुड़े कामों को स्वचालित बनाया जा सके। भारत में फिनटेक कंपनियां भुगतान की प्रोसेसिंग के अलावा कमाई का नया जरिया बनाने के लिए एजेंटिक यूज केस यानी एआई एजेंट वाले समाधान की ओर बढ़ रही हैं। रिले नाम के इस एआई एजेंट का इस्तेमाल कारोबारी कई कामों के लिए कर सकते हैं, जैसे- फेल हुए पेमेंट को दोबारा प्रोसेस करना, अधूरी कार्ट पर फॉलो-अप करना, कैश-ऑन-डिलिवरी ऑर्डर भेजने से पहले पुष्टि करना, फेल सबस्क्रिप्शन का प्रबंध करना और डिस्प्यूट फाइल करना। कंपनी का लक्ष्य ऐसे एजेंट के जरिये 20,000 करोड़ रुपए की गंवाई हुई ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू वापस पाना है। ये एजेंट उन ग्राहकों को प्रेरित कर सकते हैं जिनके लेनदेन बीच में ही रोक देने की संभावना है। ये एजेंट ग्राहकों से वॉइस या टेक्स्ट के जरिये बातचीत शुरू कर सकते हैं या उन्हें छूट देकर लेनदेन पूरा करने के लिए राजी सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कैशफ्री पेमेंट्स के इंजीनियरिंग निदेशक ने कहा कि व्यापारियों के पास परिचालन या ग्रोथ टीम होती है जो यह जानने के लिए ग्राहकों को कॉल करती है कि उन्होंने अपनी कार्ट क्यों रोक दी या पेमेंट के दौरान उन्हें क्या दिक्कतें आईं। ये टीमें ग्राहकों को छूट भी दे सकती हैं। अब ये काम एआई एजेंट करेंगे। एक छोटे या मझोले कारोबार को भुगतान से जुड़े कामों में हफ्ते में करीब 60 घंटे लग सकते हैं। कैशफ्री का दावा है कि वह अपने एजेंट के जरिये इस समय को घटाकर 45 मिनट कर सकती है। यह एजेंट बेंगलूरु की कंपनी के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम करता है। कंपनी ने कहा कि कारोबारी लेनदेन का आंकड़ा बाहर के एआई प्रदाता को नहीं भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि इस एजेंट का इस्तेमाल ई-कॉमर्स के अलावा लोन रिकवरी जैसे कामों के लिए भी किया जा सकता है। इसमें ग्राहकों से कॉल पर बात करना, ई-पेमेंट मैंडेट की जांच करना और ग्राहक से दोबारा संपर्क करने का सही समय तय करना शामिल हो सकता है। इस एजेंटिक सेवा के लॉन्च होने से कैशफ्री जैसी फिनटेक कंपनियों के लिए यह कमाई का एक नया जरिया है, जो भुगतान उद्योग की कड़ी प्रतिस्पर्धा और पेमेंट प्रोसेसिंग के बहुत कम मार्जिन पर काम करती हैं।

# 1 सितंबर से एलपीजी-पीएनजी में होंगे तीन बड़े बदलाव

**नई दिल्ली ।**

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए कई अहम बदलाव लागू होंगे। इनका सीधा असर आपकी रसोई के बजट और गैस सेवाओं पर पड़ेगा, जिनमें सिलेंडर के दामों की समीक्षा, ईकेवायसी की अनिवार्यता और नए कनेक्शन की योजनाएं प्रमुख हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को घरेलू (14.2 किग्रा) और कमर्शियल (19 किग्रा) एलपीजी सिलेंडर की कीमतें संशोधित करती हैं। अगस्त में घरेलू सिलेंडर स्थिर थे, जबकि कमर्शियल सिलेंडर 192 सस्ता हुआ। उपभोक्ता अब घरेलू गैस के दामों में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में कीमतें घटेंगी, बढ़ेंगी या स्थिर रहेंगी, यह कल ही पता चलेगा। एलपीजी कनेक्शन के लिए आधार-

आधारित बायोमेट्रिक ईकेवायसी कराने का 31 अगस्त अंतिम मौका है। यदि आपने समय रहते ईकेवायसी नहीं कराया, तो 1 सितंबर से आपको सब्सिडी या सिलेंडर आपूर्ति में दिक्कतें आ सकती हैं। इसे आप घर बैठे ऑनलाइन या अपनी गैस एजेंसी पर जाकर पूरा कर सकते हैं।

## रुपया 13 पैसे टूटकर 95.56 प्रति डॉलर पर

**रुपया शुक्रवार को 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था**

**मुंबई ।**

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.56 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाए जाने के आसार के बीच अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ा और डॉलर में व्यापक मजबूती आई। इससे निवेशकों की धारणा और प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.56 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.62 पर आ गया।

# भारत ने ब्राजील से दवा निर्यात हेतु विश्वसनीय नियामक प्रणाली की मांग की

**– मर्कोसुर पीटीए के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी बनी सहमति**

**नई दिल्ली ।**

भारत ने ब्राजील से दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक अधिक विश्वसनीय नियामक व्यवस्था की मांग की है। यह मुद्दा हाल ही में ब्रासीलिया में भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी प्रणाली (टीएमएम) की आठवीं बैठक के दौरान उठाया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों ने सीमित मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य समग्र द्विपक्षीय व्यापार को गति देना है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच सुगम बनाने हेतु मजबूत और पारदर्शी नियामक प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर बल दिया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस बैठक में हिस्सा लिया, जहां भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को आसान बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। बैठक में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौता (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण की अपार संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। जून 2009 में लागू यह समझौता

वर्तमान में केवल 450 शुल्क मदों तक सीमित है। दोनों पक्ष अब इसके दायरे को बढ़ाकर इसे एक पूर्ण व्यापार समझौते में बदलने के लिए कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए हैं। इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार को 20.84 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 में 15.07 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, और दोनों देशों ने इसे 2030 तक 30 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

## चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त, मिलों को अब 7 दिन में बेचना होगा कोटा

**सितंबर के पहले पखवाड़े के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित**

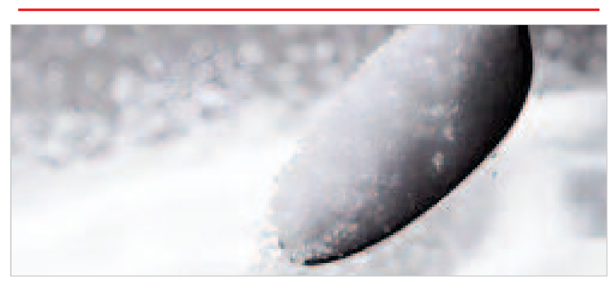

**नई दिल्ली ।**

बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर लगाम कसने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, अब चीनी मिलों को अपना आवंटित कोटा रिलीज ऑर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर बेचना अनिवार्य होगा, जबकि पहले इसके लिए एक महीने का समय मिलता था। सरकार ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 सितंबर) के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित किया है। सरकार के इस नए नियम के तहत, चीनी मिलों को अब एक महीने के बजाय रिलीज ऑर्डर जारी होने के 7 दिनों के भीतर हर हाल में अपना आवंटित चीनी कोटा बाजार में बेचना होगा। रिलीज ऑर्डर एक आधिकारिक अनुमति पत्र होता है, जिसके माध्यम से सरकार यह तय करती है कि कोई भी चीनी मिल एक निश्चित समय-सीमा के भीतर खुले बाजार में कितनी चीनी बेच सकती है। यह व्यवस्था बाजार में चीनी की अत्यधिक आपूर्ति या कमी दोनों को रोकने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कड़े नियम का मुख्य उद्देश्य मिलों को अधिक मुनाफे के लालच में चीनी का स्टॉक दबाकर रखने से रोकना है। गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे आगामी त्योहारों के दौरान चीनी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह 13 लाख टन का कोटा पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इस कदम से बाजार में चीनी की कोई कमी नहीं होगी और कीमतें भी काबू में रहेंगी। इसके अतिरिक्त, सरकार ने हाल ही में थोक खरीदारों (जैसे मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माता) पर भी 15 दिनों से अधिक का स्टॉक रखने पर पाबंदी लगाई है, जो नवंबर के अंत तक प्रभावी रहेगी।

## अल्फा वेव ने बेचे 1,857 करोड़ के शेयर, बड़े संस्थागत निवेशकों ने की खरीदारी

**रिपोर्ट के अनुसार, वैनगार्ड, निप्पॉन इंडिया और बीएनपी पारिबा जैसे खरीदार शामिल**

**नई दिल्ली ।**

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के शेयरों में हाल ही में करीब 1,857 करोड़ रुपये की एक बड़ी ब्लॉक डील देखने को मिली। अल्फा वेव से जुड़ी इकाइयों ने कंपनी के बड़े पैमाने पर शेयर बेचे, वहीं घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इस बिकवाली का लाभ उठाते हुए महत्वपूर्ण हिस्सेदारी खरीदी। नुवामा की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है, जो बाजार में लेंसकार्ट के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार, अल्फा वेव से जुड़ी तीन अलग-अलग इकाइयों ने मिलकर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के करीब 2.95 करोड़ शेयर बेचे, जिनकी कुल कीमत लगभग 1,857 करोड़ रुपये रही। ये शेयर मुख्य रूप से 630 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि पहली इकाई ने करीब 285 करोड़ रुपये के 45.21 लाख शेयर बेचे, दूसरी इकाई ने 296 करोड़ रुपये के 46.94 लाख शेयर निकाले, जबकि सबसे बड़ी बिक्री तीसरी इकाई की रही, जिसने 1,276 करोड़ रुपये के 2.03 करोड़ शेयर बेचे।

इस बड़ी बिकवाली के बावजूद, लेंसकार्ट के शेयरों के लिए खरीदारों की लंबी कतार देखी गई, जिसमें कई प्रतिष्ठित घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशक शामिल थे। घरेलू मोर्चे पर, कोटक म्युचुअल फंड ने लगभग 56 करोड़ रुपये के 8.76 लाख शेयर खरीदे, रेडव्हील ने 59 करोड़ रुपये के 9.37 लाख शेयर और घिसालो मास्टर फंड ने 64 करोड़ रुपये के 9.98 लाख शेयर खरीदे। विदेशी संस्थागत निवेशक भी पीछे नहीं रहे।

बीओएफए ने 38 करोड़ रुपये के 6.07 लाख शेयर, विरिडियन एशिया अपॉर्च्युनिटी फंड ने भी इतनी ही कीमत के शेयर और बीएनपी पारिबा ने 3.93 लाख शेयर 642 रुपये के भाव पर खरीदे। इसके अलावा, कुवैत इन्वेस्टमेंट ने भी लगभग 43 करोड़ रुपये के 6.73 लाख शेयर खरीदे।

खरीदारों में वैनगार्ड और निप्पॉन इंडिया इक्विटी जैसे बड़े नाम भी शामिल थे। निप्पॉन इंडिया इक्विटी ने लगभग 13 करोड़ रुपये के 2 लाख शेयर खरीदे। वैनगार्ड के विभिन्न फंडों जैसे वैनगार्ड एफटीएसई ऑल वर्ल्ड और वैनगार्ड एफटीएसई इमर्जिंग मार्केट ने भी लेंसकार्ट के शेयरों में खरीदारी की।

यह लेनदेन दर्शाता है कि भले ही शुरुआती निवेशकों ने मुनाफावसूली की हो, लेकिन बाजार में लेंसकार्ट के भविष्य को लेकर अभी भी मजबूत भरोसा बरकरार है।

# उर्वरक खरीद को भूमि रिकॉर्ड से जोड़ेगी सरकार

**आईएफएमएस डिजिटल निगरानी प्रणाली का दायरा बढ़ाया**

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार ने उर्वरक खरीद को किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की बेहतर निगरानी के लिए एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) का विस्तार करने की घोषणा की है। एनआईसी द्वारा संचालित इस डिजिटल मंच पर 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड खरीदार और 2.5 लाख खुदरा विक्रेता पंजीकृत हैं। नए डैशबोर्ड के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर से लेकर खुदरा विक्रेता स्तर तक उर्वरक की आपूर्ति और किल्लत की जानकारी पहले ही मिल सकेगी।सरकार ने रविवार को कहा कि वह उत्पादन से लेकर खुदरा बिक्री तक उर्वरकों की निगरानी करने वाले देशव्यापी डिजिटल मंच का विस्तार कर रही है।

इसके तहत उर्वरकों की खरीद को व्यक्तिगत किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की अधिक करीबी निगरानी के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। उर्वरक विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की तकनीकी मदद से संचालित एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) में 14 करोड़ से अधिक आधार से जुड़े खरीदार और 2.5 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता पहले ही दर्ज हैं।

यह प्रणाली हर साल करीब सात करोड़ टन उर्वरक की बिक्री का प्रसंस्करण करती है। इसके तहत करीब दो लाख करोड़ रुपये की सालाना उर्वरक सब्सिडी से जुड़े लेनदेन पर नजर रखी जाती है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विभाग नए डैशबोर्ड विकसित कर रहा है, जिनके माध्यम से अधिकारियों को राष्ट्रीय, राज्य, जिला और खुदरा विक्रेता स्तर पर उर्वरक के उत्पादन, आयात, आपूर्ति, भंडार और खुदरा बिक्री की एकीकृत जानकारी मिल सकेगी।

# अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब [redacted] और युगल में स्वर्ण पदक जीता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी टक्कर के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बढ़त हासिल ली और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया। यहां खिताब जीतने से पहले उन्होंने 2026 में दो टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल और दो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

# 6,6,6,6,6,6,6 दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी

- 8 रन से शतक से चूके पर तोड़ दिया 57 साल पुराना रिकॉर्ड
- दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला थमने नहीं वाला। मौजूदा चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन टीम के लिए खेल रहे इस युवा ओपनिंग बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

कप्तान ईशान किशन की गैर-मौजूदगी में ईस्ट जोन टीम की कमान संभाल रहे सूर्यवंशी ने सोमवार को जबरदस्त बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जारी रखते हुए तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 42 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ ही सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि वह

अपने शतक से 8 रन दूर रह गए नहीं तो वह सबसे कम उम्र शतक लगाने वाले खिलाड़ी जाते।

सूर्यवंशी ने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। तब वह दलीप ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी थी और 57 साल से यह रिकॉर्ड कायम था। लेकिन सूर्यवंशी ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इसे ध्वस्त कर दिया। इस लिस्ट में जाने माने क्रिकेटर पीयूष चावला नाम भी है जिन्होंने जिन्होंने 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

### दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

1. वैभव सूर्यवंशी- 15 साल 157 दिन
2. लक्ष्मण सिंह (1969)- 16 साल 23 दिन
3. पीयूष चावला (2025)- 16 साल 307 दिन

पहले दिन अनुभवी तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और उनके साथी राइट-आर्म मीडियम पेसर अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट लिए और सेंट्रल जोन की टीम को 80.1 ओवर में 266 रनों पर ऑलआउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का ईस्ट जोन के कमान ईशान किशन का फैसला एकदम सही साबित हुआ। मुकेश (3/56) और सरकार (3/38) ने मिलकर 6 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी (2/42) और ऑफ-स्पिनर मोहम्मद कौनेन कुरैशी (2/49) ने 2-2 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की पारी समेट दी।

हालांकि, सुबह के सेशन के दौरान दाहिनी कलाई पर चोट लगने के कारण किशन को बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। जब किशन चोट का इलाज कराने के लिए बाहर थे, तो लंच के आस-पास लगभग एक घंटे तक सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कमानी संभाली। बाद में किशन वापस आए और टीम की कमान अपने हाथों में ली।

## फुटबॉल प्रीमियर लीग : चेल्सी ने जीत का सिलसिला जारी रखा, ब्राइटन को हराया

**मैड्रिड (एजेंसी)।** चेल्सी ने प्रीमियर लीग के अपने पहले ही मैच में ब्राइटन पर 4-3 की रोमांचक जीत दर्ज की और इस तरह सीजन की अपनी विजयी शुरुआत का सिलसिला जारी रखा। रोमियो लाविया, पेड्रो नेटो और जोआओ पेड्रो के गोलों ने घरेलू टीम को तीन गोल की बढ़त दिला दी, जिसे ब्राइटन के जुझारू पलटवार और उनकी अपनी कमजोर रक्षात्मक रणनीति ने लगभग खत्म कर दिया।

**यूएस ओपन में बड़ा उलटफेर**

# नोवाक जोकोविच पहले राउंड में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

**यूएस (एजेंसी)।** चार बार के यूएस चैंपियन नोवाक जोकोविच का यूएस ओपन 2026 का सफर शुरू होते ही खत्म हो गया. उन्हें टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोने से दर्दनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ जोकोविच के रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम का खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

मारियानो नवोन ने सोमवार को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया. उन्होंने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को 2006 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हार का स्वाद चखाया. यह मैच चार घंटे 36 मिनट तक चला, जो किसी मेजर टूर्नामेंट का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड था। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन रात भर शारीरिक दिक्कतों से जूझने के बाद आखिरकार वे 6-7, 7-5, 6-4, 2-6, 1-6 से हार गए।

### जोकोविच को हराने के बाद नवोन ने क्या कहा?

नवोन ने मैच के बाद कहा, यह अद्भुत है, जिस तरह से हमने गॉट (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) के खिलाफ पांच सेट का मुकाबला खेला, उससे मैं बहुत खुश हूं. मुझे नहीं पता, मैं क्या कहूं?अपने आदर्श खिलाड़ियों में से एक, जोकोविच का पहली बार सामना करने के बारे में नावोन ने कहा, यह अविश्वसनीय है. मेरे लिए इसका बहुत महत्व है. यह एक सपना सच होने जैसा है. सच कहूं तो, 100 प्रतिशत. अब मुझे रिकवर करना है. मुझे लगता है कि लगभग 12 बज चुके हैं, इसलिए हमें सोने जाना होगा।

**जोकोविच भावुक होकर रो पड़े** – आर्थर ऐश स्टेडियम में मैच की शुरुआत से ही जोकोविच को शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. इस दौरान वो कोर्ट पर ही भावुक होकर रो पड़े. खराब मौसम के कारण छत बंद होने से पहले, 39 वर्षीय खिलाड़ी बार-बार अपने सिर पर आइस बैग का इस्तेमाल कर रहे थे. उन्होंने न्यूयॉर्क की उमस भरी गर्मी में सुपरवाइजर से यह भी पूछ कि क्या छत बंद होने के बाद एयर कंडीशनिंग चालू की जा सकती है।

**जोकोविच ने सुनहरा मौका गंवाया** – जोकोविच के पास यूएस ओपन 2026 जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का सुनहरा मौका था, क्योंकि चोट के कारण वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं. जबकि डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज चोट से ठीक होने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेलने वाले हैं. लेकिन जोकोविच पहले ही राउंड में बाहर होकर सबको चौंका दिया।

# पाकिस्तान की एक और शर्मनाक हार

### इंग्लैंड ने दूसरा टेस्ट 194 रनों से जीतकर सीरीज अपने नाम की

**लॉर्ड्स (एजेंसी)।** इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 194 रनों से हराया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजय बढ़त बना ली. इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 194 रनों पर ऑल आउट हो गया. इस तरह पाकिस्तान लॉर्ड्स टेस्ट और सीरीज दोनों हार गया. इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन और जोश टोंग ने शानदार प्रदर्शन किया. रॉबिन्सन ने मैच कुल 8 विकेट लिए, जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

**पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय** – इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय बन गई है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की पहली पारी में 110 रनों पर ऑल आउट होने के बाद, पाकिस्तान की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी फ्लॉप रही. मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाज सऊद शकील ने जरूर बल्लेबाजी की और पाकिस्तान को जिताने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिशें रंग नहीं लाई। दूसरी पारी में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन सऊद शकील ने बनाए, लेकिन यह खिलाड़ी अपना शतक पूरा नहीं कर सका. जहां शकील ने डटकर बल्लेबाजी की और 97 रन बनाए, वहीं दूसरी तरफ कोई भी खिलाड़ी उनका साथ नहीं दे सका. पाकिस्तान की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि पूरी टीम एक ही दिन में ऑल आउट हो गई और मैच एक दिन पहले ही खत्म हो गया। इससे पहले, मैच के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रनों पर ऑल आउट हो गई थी. इंग्लैंड के लिए चौथा दिन अच्छा शुरू नहीं हुआ. 7 विकेट पर 177 रनों के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद, डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया. लॉरेंस ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतकीय पारी खेली. उन्होंने 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 70 गेंदों में 54 रन बनाए।

**एक मेडन, 0 रन, 3 विकेट**

# एशिया कप टी-20 में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने महिला एशिया कप 2026 में जीत के साथ शानदार शुरुआत की. उन्होंने रविवार (30 अगस्त) को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में थाईलैंड को 94 रनों से हराया. भारत ने 159 रन बनाने के बाद थाईलैंड को 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट कर दिया. इस मैच में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया।

**तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनी** – ये दीप्ति शर्मा का 150वा टी20 इंटरनेशनल मैच था. जिसके साथ वह हरमनप्रीत कौर (203) और स्मृति मंधाना (172) के बाद 150 या उससे अधिक टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली तीसरी भारतीय बन गई. इसके अलावा दुनिया में वह 150 या उससे अधिक टी20 अंतराष्ट्रीय खेलने वाली केवल 12वीं महिला क्रिकेटर है।

अपने 150वें टी20 इंटरनेशनल मैच में, उन्होंने 7 गेंदों में 3 विकेट लेकर महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. इस दौरान उन्होंने थाई स्पिनर टिपचा पुथ्वांग का रिकॉर्ड तोड़ा।

### महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट

दीप्ति शर्मा 150 मैचों में 171 विकेट के साथ महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गई. थाईलैंड की टिपचा पुथ्वांग दूसरे नंबर पर हैं. स्वांडा की हेनरीट इशिमवे 134 मैचों में 164 विकेट के साथ लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने अब तक 113 टी-20 में 154 विकेट लिए हैं और वह चौथे नंबर पर हैं।

### थाईलैंड 65 रन पर ऑल आउट

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए, अच्छी शुरुआत के बावजूद भारत 9 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सका. शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 22 रन का योगदान दिया. स्मृति मंधाना 19 रन पर रन आउट हो गई. जवाब में, थाईलैंड की महिला टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट हो गई. मैच में शानदार पारी खेलने के लिए शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया।

- 0 रन देकर 3 विकेट लेने का रिकॉर्ड – दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर दीप्ति ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 1.1 ओवर में एक मेडन, बिना कोई रन दिए तीन विकेट लिए. इसके साथ वो टी20 में सबसे कम रन देकर तीन विकेट ये उससे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया. इससे पहले ये रिकॉर्ड रेणुका सिंह के नाम था, जिन्होंने 2022 में पांच रन देकर तीन विकेट लिए थे। दीप्ति ने इस उपलब्धि को गर्व का क्षण बताया, लेकिन कहा कि उनका ध्यान अपनी गेंदबाजी में लगातार सुधार करने और टीम के लिए योगदान देने पर है. उन्होंने कहा, 150 से ज्यादा विकेट लेने से भी ज्यादा गर्व की बात भारतीय जर्सी पहनना है. एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर सही चीजें करना ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, मैं यह नहीं सोचती कि मेरा सामना किस खिलाड़ी या टीम से होने वाला है. मेरा ध्यान इस बात पर रहता है कि मैं खुद को कैसे बेहतर बनाती रहूं और अपनी गेंदबाजी इकाई की कैसे मदद करूं।

# हैदराबाद मैराथन के 15वें एडिशन में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा, इथियोपिया के धावकों ने मारी बाजी

**हैदराबाद (एजेंसी)।** देश की सबसे बड़ी मैराथन, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के साथ हैदराबाद में उत्साह का माहौल रहा. तेलंगाना, दूसरे राज्यों और विदेशों से आए हजारों धावकों ने पूरे जोश के साथ फुल, हाफ और 10किमी मैराथन के 15वें एडिशन में हिस्सा लिया. दौड़ पीपल्स प्लाजा नेकलेस रोड से शुरू हुई और गच्चीबॉवली स्टेडियम पर खत्म हुई।

**23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया** – आयोजकों ने बताया कि इस मैराथन में 32,000 धावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया था और इसमें देश के बड़े शहरों के साथ-साथ 23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया. फुल मैराथन सुबह 4.30 बजे शुरू हुई, जबकि हाफ मैराथन सुबह 5.30 बजे शुरू हुई. मैराथन को त्रा्फ्ट कमिश्नर आर.वी कर्णन ने हरी झंडी दिखाई। धावकों ने हुसैन सागर झील, लोक भवन, केबीआर पार्क, जुबली हिल्स रोड नंबर 45, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज और बायोडायवर्सिटी जंक्शन से होते हुए गच्चीबॉवली स्टेडियम पहुंचे. कर्णन ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शहर में ऐसी मैराथन आयोजित की जाती है। बता दें कि एक फुल मैराथन 42.195 किलोमीटर

(26.2 मील) की होती है और हाफ मैराथन 21.0975 किलोमीटर (13.1 मील) की होती है.

**हैदराबाद मैराथन के विनर** – इथियोपिया की एमाने सेफू महिलाओं की एलीट कैटेगरी में चैंपियन बनीं, उन्होंने मैराथन 2.46.29 में पूरी की. इथियोपिया की स्सेगा डेस्टा 2.46.57 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केन्या की टेरेसिया ओमोसा ने 2.47.17 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय महिलाओं में, निर्मबेन ठाकोर सबसे आगे रहीं और उन्होंने 2.50.20 का समय लिया. उनके बाद भागीरथी नैगी (2.51.41), मीनाक्षी नेगी (3.08.43), मारिपल्ली उमा (3=18=22) और भगवती डांगी (3.31.28) रहीं। पुरुषों की एलीट कैटेगरी में, इथियोपिया के सेबोका नेगुसे 2.20.57 के समय के साथ चैंपियन बने. केन्या के फेलिक्स किमुताई ने 2.20.57 का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि उनके साथी फ्रांसिस चेरुयोट ने 2.21.29 में तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय पुरुषों में, गोपी थोनाकल सबसे आगे रहे और उन्होंने कुल मिलाकर चौथा स्थान (2.21.46) हासिल किया. उनके बाद मान सिंह (2.23.56), प्रदीप सिंह चौहान (2.26.12), रंजीत सिंह (2.27.49) और बुगाथा श्रीनू (2.29.56) रहे।

**पैरा टेबल टेनिस**

# भारतीय खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक, 6 स्वर्ण के साथ अभियान समाप्त

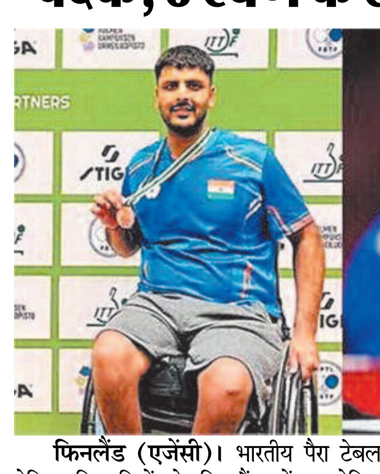

**फिनलैंड (एजेंसी)।** भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाहटी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए, जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते। इसके बाद युगल मुकाबलों में भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल छह पदक हासिल किए।

### पुरुष युगल में रमेशभाई और सुमित ने जीता गोल्ड

रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रुकन अब्दुल रहमान को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

### सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी जीता स्वर्ण

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सुमित और दीपिका की जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस तरह सुमित ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

### सोनल पटेल और रमेशभाई ने जीता रजत

मिश्रित युगल में सोनल पटेल और रमेशभाई चौधरी की जोड़ी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी जीते।

# डीपीएल 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने जीता खिताब

- फाइनल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में

साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में 186/3 बनाकर हासिल कर लिया।

**सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने बनाए 182 रन** – टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 182 रन बनाए। समर्थ सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई शानदार शॉट लगाए। कप्तान जोंटी सिद्धू ने भी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 36 रन ठोके। उनकी पारी में तीन छक्के शामिल रहे। युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 7 गेंदों पर 18 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 180 के पार पहुंचाया।

**दिवांश रावत की शानदार गेंदबाजी** – साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाजों ने सेंट्रल दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोकने में अहम भूमिका निभाई।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 3995

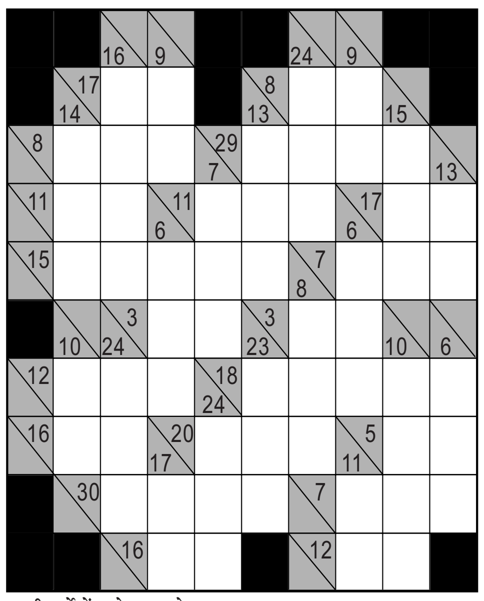

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

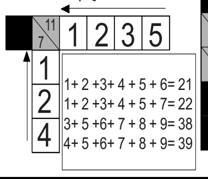

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

**काकुरो -3994 का हल**

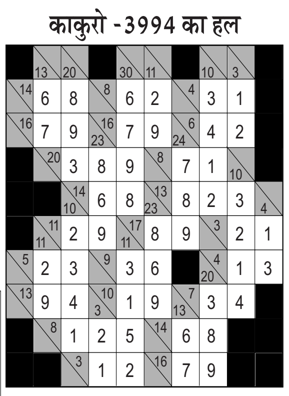

## हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'
दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.
'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'
पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.
एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.
रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा-''नाखुश हो गए ?''
''नहीं.''
रमेश जल्दी से बोला-''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 3995

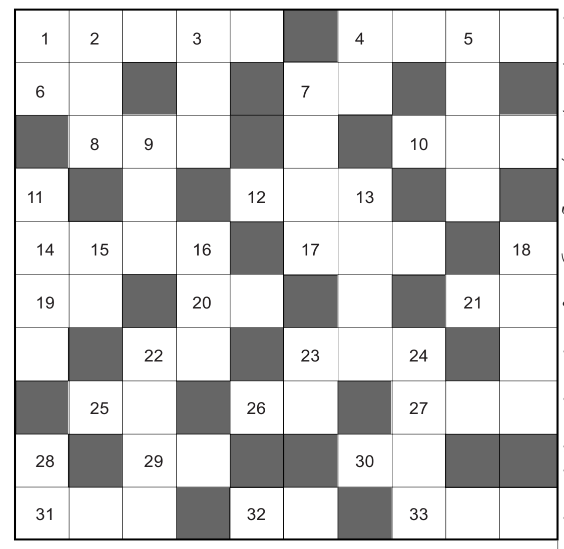

**बायें से दायें:-**

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 3994**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रत्रि | शु | ल | ■ | ग | दा | र | ■ | धा | ■ |
| दे | ■ | गा | य | ब | ■ | ह | म | रा | ज |
| व | च | न | ■ | न | ग | मा | ■ | वी | रू |
| ■ | र | ■ | घ | ■ | ज | न | म | ■ | र |
| ती | स | री | मं | जि | ल | ■ | दा | व | त |
| स | ■ | ■ | डी | ■ | ■ | नू | री | ■ | ■ |
| रा | जा | जी | ■ | अ | मृ | त | ■ | प | ■ |
| कौ | न | ■ | ■ | प | ■ | न | व | रं | ग |
| न | ■ | अ | नु | रा | ग | ■ | ■ | प | ■ |
| ■ | जु | म्मा | ■ | ध | ■ | अ | प | रा | ध |

## सूडोकु -3995

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | | | | 2 | 6 | | 3 |
| | | | 4 | | | | | |
| 1 | 3 | 5 | | 8 | | | | |
| | 2 | | | 1 | | | 7 | 8 |
| | | | | | | | | |
| 6 | 7 | | | 9 | | | 2 | |
| | | | | 6 | | 5 | 9 | 2 |
| | | | | | 3 | | | |
| 2 | | 8 | 5 | | | | 6 | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -3994 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 3 | 2 | 9 | 5 | 6 | 1 | 7 | 8 |
| 6 | 8 | 5 | 7 | 1 | 4 | 9 | 2 | 3 |
| 9 | 1 | 7 | 3 | 8 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 3 | 4 | 8 | 6 | 2 | 7 | 5 | 1 | 9 |
| 5 | 6 | 1 | 8 | 4 | 9 | 2 | 3 | 7 |
| 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 | 6 | 8 | 4 |
| 1 | 9 | 3 | 4 | 7 | 5 | 8 | 6 | 2 |
| 8 | 2 | 4 | 1 | 6 | 3 | 7 | 9 | 5 |
| 7 | 5 | 6 | 2 | 9 | 8 | 3 | 4 | 1 |

## शब्द पहेली - 3995

**बाएँ से दाएँ**

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

**ऊपर से नीचे**

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

**शब्द पहेली -3994 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | ना | द | र | णी | या | | प्र | क्षे | प | क |
| सं | ग | | वे | | कृ | पा | ण | | र | म |
| वै | | अ | दा | व | त | | य | हां | | जो |
| धा | रा | दा | र | | | अ | | का | त | र |
| नि | | व | | प्र | क्षा | ल | न | | म | |
| क | म | त | र | ता | | सा | ग | र | गा | मी |
| | लि | | स | र | मा | या | | द | | न |
| बे | का | बू | | णा | | | व | न | वा | सी |
| क | | आ | स | | अ | द | र | क | | लै |
| द | म | | ब | हा | र | | दा | | ता | व |
| र | सा | त | ल | | ज | ही | न | कु | श | ल |

**अध्ययन**

# 40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजन तो हो जाएं सावधान हो सकता है कैंसर का खतरा

Cancer Risk
मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों ( 40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई ) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बर्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओ ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षों तक गतिविधियों पर नजर रखी।

### बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षों से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

| | | |
|---|---|---|
| Front Page (Semi) - 50% | Island Position - 50% | Strip Advt. - 15% |
| Front Page (Solus) - 75% | Right Hand Page - 10% | Political Advt. - 50% |
| Back Page - 25% | Top of AD Column - 15% | Pull Outs - 50% |
| Page Three - 20% | Any Other Spl. Position - 10% | Discount as per deal |

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

# शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं

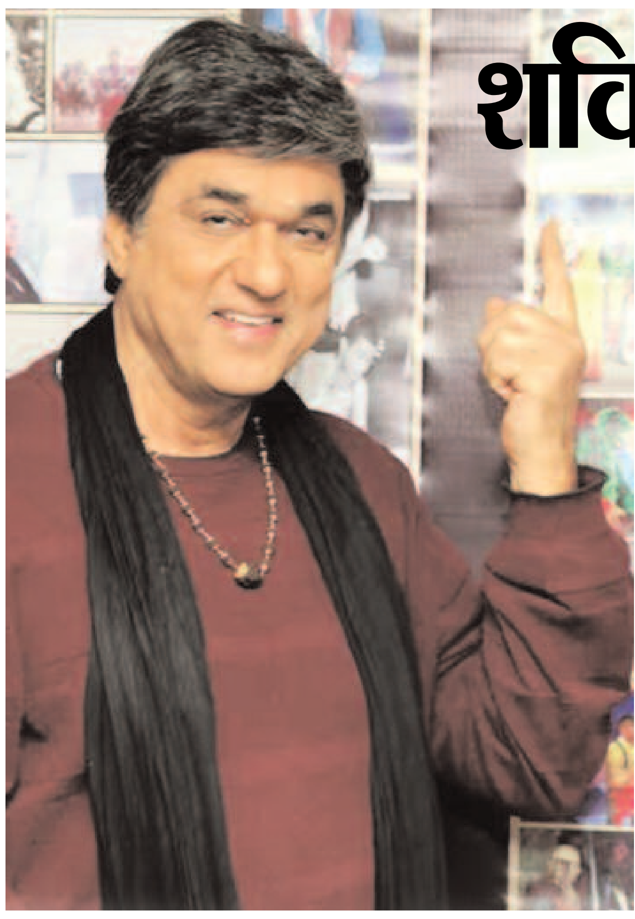

**मुकेश खन्ना ने हाल ही में अपने आइकोनिक किरदार शक्तिमान पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह बड़े पर्दे पर 'शक्तिमान' के किरदार के लिए रणवीर सिंह को सही विकल्प नहीं मानते।**

'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम भी सामने आया था। लेकिन मुकेश खन्ना ने इस कास्टिंग पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग मानते हैं कि उन्हें अब 'शक्तिमान' के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'मैं आगे क्यों बढ़ूं? मैंने शक्तिमान बनाया है।'

मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने सोनी इंडिया और सोनी इंटरनेशनल को अपनी मंजूरी के बिना फिल्म पर आगे बढ़ने से रोक दिया है। उनके मुताबिक, उन्हें पहले एक पेमेंट मिल चुकी थी, लेकिन जब मेकर्स ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो उनकी शुरुआती सहमति से अलग थीं, तो उन्होंने अगला चेक रोक दिया। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कमर्शियल तौर पर मैं बेवकूफी कर रहा हूं। मैंने लाखों का नहीं, करोड़ों का चेक ठुकराया है।' एक्टर ने बताया कि उनके ऑफिस में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि पैसे ले लें और बाद में इस मामले को देखेंगे। किन मुकेश खन्ना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए पैसा नहीं बल्कि उनके सिद्धांत ज्यादा जरूरी हैं।

शक्तिमान को डिस्को में नाचते नहीं देख सकता

मुकेश खन्ना को इस बात की भी चिंता है कि फिल्म को मॉडर्न बनाने के नाम पर 'शक्तिमान' के किरदार में जरूरत से ज्यादा बदलाव न कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कल फिल्म में शक्तिमान को डिस्को में नाचते हुए दिखाया जा सकता है और उसके बाद कुछ और भी ऐसा किया जा सकता है, जो इस किरदार की असली पहचान से मेल नहीं खाता।

मुकेश खन्ना ने बताया कि रणवीर ने करीब तीन घंटे तक उन्हें शक्तिमान के किरदार के लिए मनाने की कोशिश की थी। मुकेश खन्ना ने रणवीर की एनर्जी की तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि रणवीर बातचीत के दौरान जमीन पर बैठ गए थे और उनकी एनर्जी देखकर उन्हें दिवंगत अभिनेता देव आनंद की याद आ गई थी। हालांकि, शक्तिमान के किरदार के लिए मुकेश खन्ना को रणवीर की इमेज सही नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह 'धुरंधर', 'गली बॉय' और खिलजी का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन शक्तिमान नहीं।' मुकेश खन्ना के मुताबिक, शक्तिमान के लिए एक खास तरह की इमेज और चेहरा चाहिए। उनका मानना है कि रणवीर का चेहरा शरारती और चालाक नजर आता है, जबकि शक्तिमान का चेहरा और व्यक्तित्व पूरी तरह सकारात्मक होना चाहिए।

### रणवीर को इस रोल में देखना चाहते हैं मुकेश

दिलचस्प बात यह है कि मुकेश खन्ना रणवीर सिंह को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं करना चाहते। उन्होंने रणवीर को किलविश का किरदार ऑफर करने की बात भी कही थी। उनका मानना है कि रणवीर ने 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार जिस तरह निभाया था, उसे देखते हुए वह किलविश के रोल में अच्छे लग सकते हैं। बता दें कि किलविश 'शक्तिमान' में विलेन का किरदार है।

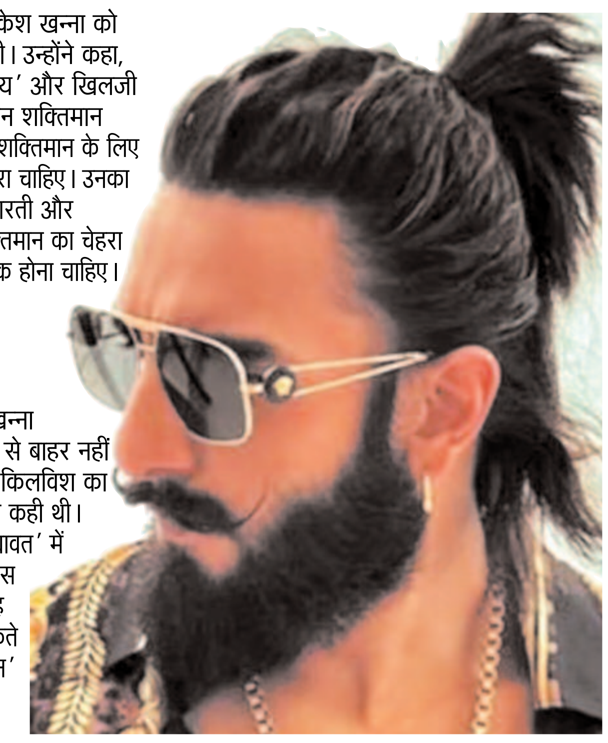

## इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं

'सेक्रेड गेम्स', 'द ट्रायल' और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस कुब्रा सैत पर्दे पर जहां बिंदास किरदारों के लिए जानी जाती हैं, वहीं निजी जिंदगी में भी उन्हें खतरों से खेलना पसंद है। एडवेंचर में कुब्रा की जान बसती है, इसलिए वह कभी तंजानिया के किलिमंजारो पर्वत पर ट्रैकिंग करने पहुंच जाती हैं, तो कभी दुनिया की चौथी बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र में लहरों से खेलने यानी रिवर राफ्टिंग करने। कुब्रा के मुताबिक, उन्हें खुद को ऐसी असहज परिस्थितियों में डालना पसंद है, क्योंकि इससे उन्हें खुद को जानने का मौका मिलता है।

### एडवेंचर ट्रिप से बेहतर टीचर नहीं

बकौल कुब्रा, 'मुझे लगता है कि इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर होते हैं, इसलिए मुझे खुद को ऐसी परिस्थितियों में डालना अच्छा लगता है क्योंकि इन चीजों से मैं आगे बढ़ पाती हूं। मतलब, जब आप ऐसे ट्रिप्स पर जाते हैं, जहां आपके पास सोने के लिए बेड नहीं होता है। आप टेंट और स्लीपिंग बैग्स में सोते हैं। फिर सुबह साढ़े 7 बजे अपना पूरा बैग पैक करके आपको टेंट से बाहर निकलना है और आपकी सारी उंगलियां सारी सूजी हुई हैं। उस वक्त आप बस यही कोशिश करते हैं कि प्लीज मेरे मुंह से गाली न निकले और मैं 15 मिनट में बैग पैक कर निकल जाऊं तो जो धैर्य आपमें आता है, ये सब बहुत सीख है भाई।'

कुब्रा ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि जब आप जीवन को ऐसे अनुभव करते हैं, तभी एक्टर बन सकते हैं। अगर हर चीज आपके साथ अच्छी रहे कि घर गए, खाना बन गया, सब काम हो गया, तो क्या ही मजा है। इसलिए मैं हर साल ऐसी ट्रिप पर जाती हूं, क्योंकि मुझे खुद को जानने का मौका मिलता है और खुद को जानने का सफर बहुत लंबा है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरू किया है।'

### कुब्रा का परिवार और करियर

कुब्रा सैत की निजी जिंदगी की बात करें, तो वह कर्नाटक के बेंगलुरु शहर एक मुस्लिम परिवार में पैदा हुईं। उनके पिता का नाम मोहम्मद हदीद हैं और मां यास्मिन सेठ एक बिजनेसवुमन हैं। कुब्रा सैत ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह दुबई की माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में बतौर अकाउंट मैनेजर भी कार्यरत रहीं।

## रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ''कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा.' फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, ''रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।''

## 'द रेवोल्यूशनरीज' में दिखेगा रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें रोहित सराफ पूरी ताकत के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के जरिए रोहित एक ऐसे दौर और भूमिका में नजर आएंगे, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। यही बात फिल्म को और खास बनाती है। रोहित ने अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए अपनी बॉडी और लुक में भी शानदार बदलाव किया है। उनका बदला हुआ शारीरिक रूप और गंभीर अंदाज उनके किरदार को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। ऐसा लगता है कि रोहित ने सिर्फ यह फिल्म साइन नहीं की है, बल्कि अपने अभिनय में कुछ नया और बड़ा करने का फैसला किया है। ट्रेलर में रोहित के जबरदस्त एक्शन और फाइटिंग सीन्स भी देखने को मिलते हैं। उनके एक्शन सीन काफी दमदार हैं और उनके किरदार की ताकत और जुनून को दिखाते हैं। उनकी एक्टिंग में गुस्सा, जोश और संघर्ष साफ नजर आता है। 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप दिखाता है। यह उनके करियर के सबसे अलग और बड़े बदलावों में से एक माना जा सकता है। यह पीरियड ड्रामा उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की कहानी पर आधारित है, जो मानते थे कि ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए हथियार उठाकर लड़ना जरूरी था।

## मुश्किल दौर से गुजर रहे ओरी के लिए खतरों के खिलाड़ी 15 बना भावनात्मक सहारा

**'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपना शानदार परफॉर्मेंस दे रहे ओरी ने हाल ही में शो के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि यह शो उनके लिए सिर्फ खतरनाक स्टंट्स करने का मंच नहीं था, बल्कि खुद को फिर से खोजने की एक खास यात्रा थी।**

अपने सोशल मीडिया प्रेजेंस और सेलिब्रिटी सर्कल के लिए मशहूर ओरी ने यह भी खुलासा किया है कि शो में शामिल होने से पहले वह एक मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। एक दर्दनाक अनुभव के बाद वह भावनात्मक रूप से काफी अलग-थलग महसूस करने लगे थे और कई चीज़ों से उनका जुड़ाव कम हो गया था।

ओरी ने यह भी बताया कि एक समय था जब उन्हें छोटी-छोटी बातों में खुशी मिलती थी, लेकिन धीरे-धीरे वह उत्साह कहीं खो गया। ऐसे में 'खतरों के खिलाड़ी' उनके लिए उन एहसासों को दोबारा महसूस करने का जरिया बन गया। गौरतलब है कि केप टाउन में बिताए इस सफर ने उन्हें डर, घबराहट, हंसी और कई भावनात्मक पलों से रूबरू कराया। हालांकि स्टंट्स से ज्यादा बड़ी चुनौती खुद से दोबारा जुड़ना था। ओरी के मुताबिक, इस अनुभव ने उन्हें फिर से जिंदगी को महसूस करना सिखाया और उन भावनाओं से दोबारा मिलवाया, जिन्हें वह खो चुके थे। ऐसे में केप टाउन उनके लिए सिर्फ एक शूटिंग लोकेशन नहीं, बल्कि आत्म-खोज और नए सिरे से खुद को पाने की एक यादगार यात्रा बन चुका है।

## राशि खन्ना फिल्म उद्योग में अपने 13 साल के सफर को याद किया

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।' अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

संक्षिप्त समाचार

## संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत

**गाजा, एजेंसी।** अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने यूएनआरडब्ल्यूए को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है।

## एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के पेंटागन फैसले पर संघीय कोर्ट की रोक

**पेंटागन , एजेंसी।** अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया। हेगसेथ के एक अभूतपूर्व कदम ने एंथ्रोपिक को कुछ सैन्य अनुबंधों से रोक दिया। यह कदम तब उठाया गया जब एंथ्रोपिक ने सेना को अपने क्लाउड एआई मॉडल का इस्तेमाल अमेरिकी निगरानी या ऑटोनॉमस हथियारों के लिए करने की इजाजत देने से इन्कार कर दिया।

## इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो भ्रष्टाचार मामले में दोषी

**इक्वाडोर , एजेंसी।** इक्वाडोर की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को देश के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े रिश्वत मामले में दोषी मानते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन्हें भविष्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से भी स्थायी रूप से अयोग्य करार दिया है। 73 साल के मोरेनो को चीन की सरकारी कंपनी सिनोहाइड्रो से रिश्वत लेने और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के ठेके से जुड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क में प्रत्यक्ष भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने 'कोका कोडो सिनक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट' से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2009 से 2018 के बीच फर्जी कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए करीब 7.61 करोड़ डॉलर की रिश्वत का लेन-देन किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि इस रकम को विदेशों में खातों और शेल कंपनियों के जरिए पहुंचाया गया।

## पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हमला टैंक जिले में डेरा इस्माइल खान रोड पर चकन इलाके के पास हुआ। हमलावरों ने घात लगाकर पुलिस वाहन पर गोलीबारी की। फायरिंग के बाद वाहन पलट गया, जिससे उसमें सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने इलाके में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हमले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

## ईरान के नए नेतृत्व ने विरोध के खिलाफ सख्त रुख के संकेत दिए

तेहरान, एजेंसी। छह महीने से जारी युद्ध के बाद ईरान का नया नेतृत्व देश के भीतर किसी भी तरह के विरोध को रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने आसपास लंबे समय से भरोसेमंद सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। इनमें ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नए सचिव मोहसेन रेजाई और बसीज के नए प्रमुख हुसैन ताएब शामिल हैं। खामेनेई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने आकर कोई बयान नहीं दिया है। उनके पिता और कई वरिष्ठ नेताओं की 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत में हुए अमेरिकी-इस्राइली हमलों में मौत हो गई थी।

# अस्पताल अग्निकांड पर शहबाज सख्त, नवजातों की मौत पर अफसरों पर गिरी गाज; किस-किस पर होगी कार्रवाई?

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 14 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। घटना के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जांच समिति की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर आठ अधिकारियों को उनके पद से हटाने और निलंबित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ संबंधित कानूनों के तहत आपराधिक कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।

**किन अधिकारियों पर गिरी गाज :** कार्रवाई की जद में पीआईएमएस के कार्यकारी निदेशक डॉ. राणा इमरान सिकंदर, संयुक्त कार्यकारी निदेशक डॉ. मुताहिर शाह और डॉ. चौधरी अवैस अली शाह शामिल हैं। इनके अलावा नवजात विभाग की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. सादिया रियाज, वरिष्ठ रजिस्ट्रार डॉ. नगहम और डॉ. नौशिला अमजद पर भी कार्रवाई हुई है। पीआईएमएस के सुरक्षा सहायक निदेशक मोहम्मद उस्मान और राजधानी विकास प्राधिकरण के आपात सेवा महानिदेशक डॉ. अब्दुल रहमान को भी पद से हटाने का आदेश दिया गया है।

**क्या अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कार्रवाई होगी :** प्रधानमंत्री ने अस्पताल की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई को मंजूरी दी है। इससे साफ है कि सरकार हादसे के लिए केवल अस्पताल के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने तक सीमित नहीं रहना चाहती। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, जिन अधिकारियों को उनके पदों से हटाया गया है, उनकी जगह नए अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने का निर्देश भी दिया गया है।

**पीआईएमएस का नया कार्यकारी निदेशक कौन होगा :** प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मोहम्मद सलमान को पीआईएमएस का कार्यकारी निदेशक बनाने की मंजूरी दी है। वह फिलहाल कार्यकारी निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को हटाए जाने के बाद खाली हुए पदों पर तत्काल नए लोगों की नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया है। सरकार का यह कदम अस्पताल के प्रशासन और व्यवस्था को तुरंत सामान्य करने की कोशिश के तौर पर सामने आया है।

**बच्चों को बचाने वाली नर्स को क्या सम्मान मिलेगा :** हादसे के दौरान एक बच्चे की जान बचाने वाली नर्स रजिया नूरीन को प्रधानमंत्री ने सम्मानित करने का फैसला किया है। उन्हें सितारा-ए-खिदमत पुरस्कार दिया जाएगा और 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की राशि भी दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने उनकी बहादुरी और मानवता की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चे को बचाया। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नर्स पर गर्व है।

**हादसे के बाद सरकार ने पीड़ित परिवारों से क्या कहा :** स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल और संसदीय मामलों के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने शनिवार को पीआईएमएस के बच्चों के वार्ड का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने आग में अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान हादसे में जान गंवाने वाले नवजातों के परिवारों से बातचीत की गई। घटना के बाद सरकार की ओर से जांच और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

## फलस्तीन समर्थक छात्रों का अमेरिकी वीजा रद्द नहीं होगा; अफ्रीकी देश नाइजर में सैनिक विद्रोह

**गाजा, एजेंसी।** अमेरिका की एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि फलस्तीन के समर्थन और इस्राइल की आलोचना करने वाले विदेशी छात्रों के वीजा रद्द करना और उन्हें देश से निकालने की कार्रवाई शुरू करना असांविधानिक है।कैलिफोर्निया के सैन जोस में जिला जज नोएल वाइज ने ट्रंप प्रशासन की वीजा रद्द करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय छात्रा रजनी श्रीनिवासन समेत कई छात्रों के वीजा रद्द हुए थे। जज ने अपने फैसले में कहा कि विदेश विभाग और गृह सुरक्षा विभाग ने आव्रजन कानून की धाराओं का इस्तेमाल उन गैर-अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ किया, जिनकी राय सरकार दबाना चाहती थी। अमेरिका में सरकार और उसके नेताओं की आलोचना की आजादी लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। जब नागरिकों और गैर-नागरिकों को सरकार की कार्रवाई के डर से अपनी बात रोकनी पड़े, तो लोकतंत्र कमजोर होता है। अदालत ने माना कि वीजा रद्द करने का आधार किसी व्यक्ति की विचारधारा या भाषण को बनाना असांविधानिक है।

## म्यांमार के प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी: मलयेशिया में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच दहशत, किस बात का डर ?

**कुआलालंपुर, एजेंसी।** मोहिदुजमान धार्मिक उत्पीड़न और गृहयुद्ध से बचने के लिए दो साल पहले अपने देश म्यांमार से भाग निकला था। करीब चार महीने तक जमीनी रास्ते और समंदर का सफर तय करने के बाद मलयेशिया पहुंचा। धान के खेत में काम ढूंढ़ा और पारंपरिक मलय शैली में बने झोपड़ीनुमा घर में रहने लगा। लेकिन अब मलयेशिया के ऐसे प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी से रोहिंग्या शरणार्थियों में भय का माहौल है। भाई मोहम्मद ने बताया कि मोहिदुजमान (35) ने मलयेशिया में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास शरणार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच, उसे कुछ समय पहले गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था। कुआलालंपुर में रहने वाले और शरणार्थी का दर्जा रखने वाले मोहम्मद (25) ने अपने भाई के मामले पर कहा, म्यांमार वापस भेजने से तो बेहतर है कि हमें मलेशिया में ही मार दिया जाए। वापस भेजे जाने पर वहां जाकर भी मारा ही जाएगा, क्योंकि म्यांमार का सैन्य शासन उसे लड़ने के लिए सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज देगा।

मोहिदुजमान म्यांमार के करीब 10 हजार ऐसे प्रवासियों में शामिल हैं जिनके पास शरणार्थी होने कोई दस्तावेज नहीं है। पिछले महीने मलयेशिया ने लगभग आधे प्रवासियों को वापस उनके देश भेजने की योजना की घोषणा की है। प्रवासियों, उनके परिवारों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि एक बार म्यांमार लौटने पर वहां की सैन्य सरकार उन सभी को सेना में अनिवार्य रूप से भर्ती कर लेगी। रोहिंग्याओं को तो सबसे बुरे की आशंका है जो अपने ही देश में अलग-थलग हैं और उस हिंसा को झेल चुके है जिसे संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने म्यांमार सेना का नरसंहार करार दिया है।

**शरणार्थी दर्जे के बावजूद स्थिति बुरी :** पिछले एक दशक में म्यांमार से लाखों लोगों ने जातीय सफाये और क्रूर सैन्य शासन से बचने की उम्मीद में मलयेशिया में शरण ली है। हजारों लोगों के पास शरणार्थी का दर्जा है, फिर भी उन्हें लगातार बढ़ रहे भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

**1500 लोग अगले माह वापस भेजे जाएंगे :** मलेशिया के गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि प्रवासियों का आना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन गया है, सरकार हिरासत केंद्रों में बंद लगभग 1,500 प्रवासियों को अगले माह म्यांमार वापस भेजने की तैयारी कर रही है। एक प्रमुख गैर-लाभकारी संगठन नेशनल ह्यूमन राइट्स सोसाइटी के अध्यक्ष रामासेलवम मणिमुथु ने इस बात पर आपत्ति जताई कि नजरबंद लोगों को शरणार्थी के रूप में पंजीकृत होने का विकल्प दिए बिना निकाला जा रहा है।

## कैलाश मानसरोवर यात्रियों की बढ़ी चिंता: बाढ़ के बाद 261 विदेशी लापता, तिब्बत-नेपाल सीमा पर 49 भारतीय भी शामिल

**बीजिंग, एजेंसी।** तिब्बत-नेपाल सीमा पर 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद 261 विदेशी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह बाढ़ ग्यिरोंग पोर्ट के पास आई थी, जो नेपाल और तिब्बत के बीच प्रमुख सीमा पार मार्गों में से एक है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, लापता 261 विदेशी नागरिक 23 देशों से हैं। यह जानकारी विदेश मामलों, सार्वजनिक सुरक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन और आपातकालीन प्रबंधन विभागों की संयुक्त खोज और सूचना मिलान के बाद सामने आई है।

**किन देशों के नागरिक लापता हैं :** चीनी अधिकारियों के अनुसार, लापता विदेशी नागरिकों में सबसे ज्यादा 104 नेपाली हैं। इसके बाद भारत के 49, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के छह-छह, दक्षिण अफ्रीका के चार, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के तीन-तीन नागरिकों का पता नहीं चला है। आयरलैंड, एस्टोनिया, फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड के दो-दो और कजाकिस्तान, फिनलैंड, लिथुआनिया, पुर्तगाल, यूक्रेन, स्पेन और हंगरी के एक-एक नागरिक भी लापता बताए गए हैं।

**कैलाश मानसरोवर यात्रा से क्या है कनेक्शन :** भारत से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत पहुंचे थे। यह यात्रा चीन और भारत के बीच संबंधों में सुधार के बाद दोबारा शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि बाढ़ आने के समय कुछ भारतीय तीर्थयात्री तिब्बत-नेपाल सीमा पर स्थित इमिग्रेशन भवन में मौजूद थे। अचानक आई बाढ़ ने ग्यिरोंग काउंटी में भारी तबाही मचाई और इमिग्रेशन भवन भी इसकी चपेट में आ गया। ग्यिरोंग में आई बाढ़ की भयावहता दिखाने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इनमें विशाल जलधारा को सीमा क्षेत्र के बड़े इमिग्रेशन भवन को अपनी चपेट में लेते हुए देखा गया। चीनी अधिकारियों की ओर से विदेशी नागरिकों की स्थिति को लेकर जारी आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब लापता लोगों के परिवार अपने परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

# नाइजर में तख्ता पलट की कोशिश: युवा सैनिकों ने खोला मोर्चा, कई की मौत; राजधानी में रातभर गोलियों की गूंज

**नियामे , एजेंसी।** पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामे में सैन्य विद्रोह की कोशिश ने सत्तारूढ़ सैन्य शासन के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया। राज्य टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोह की कोशिश के दौरान कई सैनिक मारे गए या गिरफ्तार किए गए। करीब 24 घंटे तक चली इस उथल-पुथल के दौरान राजधानी में गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं।

**क्या नाइजर में फिर तख्ता पलट की कोशिश हुई:** युवा सैनिकों के एक समूह ने राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट परिसर में स्थित अहम सैन्य अड्डे पर विद्रोह का प्रयास किया। रिपोर्ट के मुताबिक, ये सैनिक देश में लगातार बढ़ती उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों में हो रही मौतों से नाराज थे। राज्य प्रसारक आरटीएन ने कई दर्जन, ज्यादातर युवा सैनिकों को सार्वजनिक रूप से पेश किए जाने की तस्वीरें प्रसारित कीं। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर हुई लड़ाई के बाद हालात पर धीरे-धीरे काबू पाया और विद्रोही सैनिकों को गिरफ्तार किया। हालांकि, अभी तक इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी कि सुरक्षा बलों ने सैन्य अड्डे पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है।

**एयरपोर्ट के सैन्य अड्डे में क्या हुआ :** नाइजर के रक्षा मंत्री जनरल सलीफू मोदी के मुताबिक, विद्रोही सैनिकों के एक समूह ने सैन्य अड्डे पर कुछ अधिकारियों को बंधक बना लिया था। इसके बाद उन्होंने कुछ संवेदनशील स्थानों पर गोलीबारी की। सरकार ने इसे सैन्य अनुशासन और नियमों का उल्लंघन बताया। यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यहां नाइजर की वायुसेना का बेस होने के साथ-साथ नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य टुकड़ी का मुख्यालय भी है।

**रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने जुंटा की मदद की :** विश्लेषकों और राजनयिकों के अनुसार, विद्रोह को दबाने में रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने स्थानीय सुरक्षा बलों को हवाई और जमीनी सहायता दी। रूसी मीडिया ने नाइजर में रूस के राजदूत विक्टर वोरोपायेव के हवाले से बताया कि वरिष्ठ नाइजर सैन्य अधिकारियों ने एयरपोर्ट स्थित अफ्रीका कॉर्प्स के बेस का दौरा किया और विद्रोह दबाने में मदद के लिए उसके सैनिकों का आभार जताया। इस बीच, सैन्य शासन के प्रमुख अब्दुरहामाने त्चियानी के ठिकाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। नाइजर में सैन्य शासन 2023 के तख्ता पलट के बाद सत्ता में आया था। उस समय जुंटा ने दावा किया था कि निर्वाचित सरकार देश में बढ़ती सशस्त्र हिंसा को रोकने में विफल रही है। सत्ता संभालने के बाद नाइजर ने अपने पुराने पश्चिमी सुरक्षा साझेदारों से दूरी बनाई और रूस के साथ संबंध मजबूत किए। इसके बावजूद देश में उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमले जारी रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब सेना के भीतर भी असंतोष को बढ़ावा दे रही है।

# नेपाल के बाद चीन में कुदरत का कहर, शिजांग में लैंडस्लाइड में 16 की मौत, 546 हुए लापता, मचा हड़कंप

**शिजांग , एजेंसी।** चीन के शिजांग क्षेत्र में सीमा के पास स्थित एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना सामने आई है। हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 546 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजे अचानक शिजांग के पास एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना हुई। इसमें अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 546 लोग लापता हैं। लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। चीनी अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

**261 विदेशी नागरिकों से संपर्क टूटा :** अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन के बाद 23 देशों के कुल 261 विदेशी नागरिकों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें सबसे अधिक 104 नागरिक नेपाल के हैं। इसके अलावा 49 भारतीय, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के 6-6 नागरिकों का भी अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के 4, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के 3-3 नागरिक भी लापता हैं। आयरलैंड और एस्टोनिया के 2-2 नागरिकों के बारे में भी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसके अलावा फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता लोगों की सूची में शामिल हैं।

**भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज :** नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि रसुवा के जिला प्रशासन कार्यालय को जानकारी मिली है कि भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज होने की आवाज सुनी गई है। इसलिए, हम रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग तक नदी के आस-पास के इलाकों में सावधानी बरतने का अनुरोध करते हैं।

## धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन मानवता एक है, न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का बड़ा बयान

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां मौजूद सभी दिव्य व्यक्तित्वों, मैं आप लोगों की तरह न तो कोई धार्मिक विद्वान हूं और न ही कोई धार्मिक अधिकारी। लेकिन, मैं एक ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो पारंपरिक रूप से कहता है कि धर्म भले ही भिन्न हों, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, और मानवता उस सत्य की उपज है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की दुनिया में, धर्मों को काफी हद तक अनुष्ठानों द्वारा परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता के मार्ग पर चलने के लिए, अनुष्ठानों का अनुशासन भी आवश्यक है। लेकिन, धर्म का उद्देश्य क्या है? यह हमें सत्य की ओर ले जाता है। इसलिए, यदि मैं उस प्रकाश की ओर इशारा करूं, तो आप मेरी उंगली को इशारा करते हुए देखेंगे और फिर प्रकाश को देखेंगे। लेकिन, यदि आप मेरी उंगली पर टकटकी लगाए रहेंगे, तो आप कभी प्रकाश को नहीं देख पाएंगे। उद्देश्य अलग है। यह परम सत्य, दिव्यता की खोज है, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।

**भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं :** मोहन भागवत ने कहा कि इतिहास के क्रम में यह सब घटित हुआ। मैं उस क्षण की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद, हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बने और बहुत कुछ खो गया। लेकिन, वह परंपरा आज भी कायम है, जो आम लोगों को वही बात सिखाती है। एक दुनिया, एक मानवता। लेकिन, जैसा कि आपने कहा, लोग बेवजह बोझ ढोते हैं। हमारे भारत में

सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं क्योंकि, परंपरागत रूप से, भारत ने सभी को आश्रय दिया है।

मोहन भागवत ने कहा कि यदि आप स्वयं को हिंदू कहलाना चाहते हैं, तो आपको यह मानना होगा कि सभी मार्ग एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना सम्मान है और मनुष्यों में कोई भेद नहीं है। ये सभी भेद प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं, और हमें इन्हें स्वीकार करना होगा। लेकिन, जो वास्तविकता सदा विद्यमान है, वह यह है कि हम सब एक हैं।

**राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है :** उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हमें अपना संविधान मिला, और उसमें इस बात पर जोर दिया गया है। लेकिन, ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि ये चीजें राजनीति से नहीं होतीं। मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है। और, जैसा कि आपने सही कहा, जहां 'मैं और मेरा' होता है, वहां कोई समाधान नहीं होता। 'हम और हमारा' ही समाधान है। इसलिए, भारत में हमारा अनुभव यह है कि हमें समाज से शुरुआत करनी होगी। हमने इसकी शुरुआत पहले ही कर दी है। 2018 के बाद, मेरे भाषण के बाद, कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी।

# भारत और उज्बेकिस्तान के बीच जीवंत सेतु की तरह हैं भारतीय समुदाय : पीएम मोदी

**ताशकंद, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु की तरह काम करता है। मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान ताशकंद में भारतीय समुदाय के बड़े समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद में भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु है, जो दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत बना रहा है।' उन्होंने स्वागत समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए भारतीय और उज्बेक संस्कृति के मेल वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की और कहा कि ये दोनों देशों के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर तबला प्रस्तुति की एक झलक साझा करते हुए लिखा, 'भारतीय और उज्बेक संगीत परंपराओं का शानदार संगम! तबला, डोइरा और चांग जैसे वाद्ययंत्रों के साथ बेहद खूबसूरती से घुल-मिल गया। यह भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है।' भारतीय समुदाय की कुछ महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें राखी भी बांधी।

उन्होंने कलाकारों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों के नृत्य प्रदर्शन को बड़े ध्यान से देखते नजर आए और कार्यक्रम के बाद उनसे हाथ भी मिलाया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' का दौरा किया और कहा कि यह

उज्बेकिस्तान के लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गया। यह स्मारक उज्बेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। अपनी यात्रा की शुरुआत यहां आकर करने पर खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क में उज्बेक संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली कलाकृतियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद हवाई अड्डे पर मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का भी धन्यवाद किया। वह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे हैं। एक विशेष सम्मान के तौर पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव स्वयं हवाई अड्डे पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच पिछले 12 वर्षों में लगातार मजबूत हुई दोस्ती को दर्शाता है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके इस विशेष सम्मान के लिए मैं उनका आभारी हूं। यह मेरी उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )